स्मुरना कलीसिया युग

सबसे महिमामय पिता, आज रात हम बहुत ही खुश है यह जानकर कि हम हमारे अमरहार जीवन के अंदर है। हमारे परमेश्वर का जीवन आग की जीभ के द्वारा अलग हुआ और उनमें से प्रत्येक पर आ बैठा, और वे सभी पवित्र आत्मा से भर गए और अन्य जुबान में बोलना आरंभ किया जैसे आत्मा ने उन्हें उच्चारण को दिया। हे पिता, हम आपको कैसे धन्यवाद करें कि आपने कलीसिया के बीच अपने आप को विभाजित किया। कोई आश्चर्य नहीं कि हमारे प्रभु ने कहा, "उस दिन तुम जानोगे कि मैं पिता में हूं, और पिता मुझ में, मैं तुम में, और तुम मुझ में हो।" किस तरह स्वर्ग का परमेश्वर अपने लोगों के बीच वास करता है! "थोड़ी देर रह गई है और संसार मुझे अब नहीं देखेगा, फिर भी तुम मुझे देखोगे, क्योंकि मैं तुम्हारे साथ रहूंगा यहाँ तक तुम्हारे अंदर रहूंगा दुनिया के अंत तक।" वहां आगे हर एक युग में से होते हुए तुम यहाँ होंगे, कल, आज और युगानुयुग हमेशा के लिए, और हम आपको आपके कार्यों के द्वारा जानते है जो आप प्रदर्शन करते हो। "ये चिन्ह उनके पीछे जायेंगे जो विश्वास करते हैं।"

2 प्रभु, सारे युगों की चरमअवस्था को देखते हुए, समय समाप्ति पर है अनंता अंदर आने पर है। हम बहुत ही खुश है यह जानकर कि हम आज उस बचे हुओ में रह रहे है; हमारे जीवनो को देखते हुए और देखते हुए कि किस तरह के उद्देश्य हमारे पास है, हमारे पास जो इरादे है, देखते हुए कि पवित्र आत्मा ने उसे अधिकार में लिया है। परमेश्वर, होने पाए हर एक व्यक्ति जो आज रात दैविक उपस्थिति में है इन कलीसिया युगों को जान जाए जिसमें हम रह रहे है और तुरंत ही दौड़ कर प्रभु यीशु के पास जाये, क्योंकि यह बहुत ही स्पष्ट रूप से लिखा हुआ है, कि, "प्रभु का नाम एक शक्तिशाली गढ़ है, धर्मीजन इसके अंदर दौड़ कर जाते है और सुरक्षित है।"

3 हे परमेश्वर, आज रात आकर और हमारे अस्तित्व को अभिषेक करे, प्रभु। जो भटक रहे है उन्हें लेकर आये, हे प्रभु, जो बहुत ही गड़बड़ी में है; उन बेचारी भेड़ों को देखे, प्रभु, वे नहीं जानते कि क्या विश्वास करना है; वहाँ चरवाहे हर कहीं से बुला रहे है। हम प्रार्थना करते हैं, पिता, कि वे उस

झुंड के महान चरवाहे को सुने, जो प्रभु यीशु है उसका महान आत्मा आज रात बोले, कहते हुए, "मेरे बच्चे, मेरे पास आओ और मैं तुम्हे सब्त को दूंगा, वो विश्राम जो तुम्हे तुम्हारे अनंत मंजील के लिए मोहरबंद करता है।" धरती के ऊपर डांवाडोल नहीं होना है क्योंकि हम अब समय को निकलते हुए देखते हैं। इसे प्रदान करे, पिता। प्रचारक के द्वारा बात करे, वे जो सुनते है वे कानो के जरिये से ध्यान से सुने, क्योंकि हम सभी सुन रहे हैं। यीशु के नाम में हम प्रार्थना करते हैं। आमीन। आप बैठ सकते है।

4 अब, आज रात हम दूसरे कलीसिया युग का अध्यन कर रहे हैं। मैं देख रहा हूं बहुत से लोग बातों को लिख रहे है और इत्यादि, और यही कारण है मैं हर समय इसे स्पष्ट बनाना चाहता हूँ।

5 अब, दूसरे कलसिया युग को स्मुरना कलीसिया युग कहा जाता था। और इसने स्थान को लिया, जो स्मुरना युग है, वो इफिसियन कलीसिया के जाने के समय पर ही जारी किया गया था। इफिसुस युग 55 ए.डी. से 170 तक था। स्मुरना युग 170 में आया और 312 तक चलता है। यह कलीसिया एक सताई हुई कलीसिया है; वो एक जो शहीदों के ताज को पहनती है, जो एक क्लेश की कलीसिया है। और परमेश्वर की इसके लिए प्रतिज्ञा है, इसमें की एक चुनी हुई कलीसिया, इसे एक जीवन के मुकुट को दिया जाना था।

6 प्रत्येक कलीसिया के पास एक *तारा* था जो परमेश्वर के हाथ में था, जिसने उस कलीसिया युग में "उस संदेशवाहक" को प्रतिनिधित्व किया। सबसे अच्छा जिसे मैं सोच सकता था जो इफिसियन कलीसिया के युग में का संदेशवाहक था (क्योंकि बाइबल यह नहीं बताती है कि वे कौन हैं) पौलुस था; क्योंकि उसने इफिसियन कलीसिया की स्थापना की थी और वह उस कलीसिया युग का सेवक था; जिसने कलीसिया के लिए उजियाले को लाया, जिसे संत यूहन्ना ने इसे वहां से उठाया। और फिर पॉलीकार्प, और आगे ... पॉलीकार्प, मेरा मतलब, उसके बाद।

7 अब, स्मुरना युग, मैं पूरी तरह से विश्वास करता हूं... कि मैं पता लगाने में सक्षम रहा हूँ, जो इरेनियस था। और अब मैं आपको कारण बताना चाहता हूँ कि मैंने बजाय पोलीकार्प के इरेनियस को क्यों चुना। अब, अधिकतर सभी धर्मशास्त्री को लगता है (और बाइबिल के शिक्षकों को) कि पोलीकार्प वो दूत था। पोलीकार्प संत यूहन्ना का एक चेला था जो सच है। और पॉलीकार्प

मोहरबंद... वह—वह शहीद हुआ था, उन्होंने सीधे उसके हृदय में चाकू से वार करके और उसे मार डाला। अब, लेकिन वह एक महान व्यक्ति था, एक उल्लेखनीय व्यक्ति, एक धर्मी व्यक्ति, मधुर था। कोई संदेह नहीं सबसे महान मसीही लोगो में से एक जो हमारे पास कभी रहे थे। और वहाँ ऐसा कुछ भी नहीं कि उसके जीवन के विरोध में आप कह सको।

8 वो कारण जिसके लिए मैंने इरेनियस को चुना: क्योंकि मेरा मानना है कि इरेनीयस, पॉलीकार्प की तुलना में वचनों के अधिक नजदीक था। क्योंकि पॉलीकार्प एक संगठन की स्थापना के रोमन विचार के प्रति एक तरह से झुक गया था। और—और इरेनियस मजबूती से इसके खिलाफ था, उसने पूरी तरह से इसकी निंदा की। और फिर, जैसे हम सभी जानते है, वो बड़ा वाद विषय निसियन परिषद पर आ रहा था; उन बड़े वाद विषयो में से एक था कि क्या परमेश्वर *तीन* था या परमेश्वर *एक* था। और इरेनियस ने पक्ष को लिया कि परमेश्वर, परमेश्वर था, अब, बस एक ही।

9 मैं *एंटे–निसियन फादर्स* से शायद पढ़ सकता हूं, भाग एक, पन्ना 412, बस कुछ हवाले के लिए; यदि आप इसे लिख रख रखना चाहते हैं, तो *एंटे–निसियन फादर्स* भाग एक में से है। और पन्ना बारह पर, और यह... यदि आप भाग को चाहते हैं, तो यह भाग तीन का अंतिम हिस्सा है। आप पूरी बात को पढ़ सकते हैं; इसके बहुत से अध्याय हैं, या बहुत से वाक्य हैं। अब मैं पढना आरंभ करता हूं ठीक अंत पर—ठीक अंत पर इसके बीसवे, तीसवे पद पर। मैं यह सब नहीं पढ़ूंगा, लेकिन इसका सिर्फ एक भाग:

"वे सारे अन्य हाव–भाव इसी तरह... एक ही होने के शीर्षक को बाहर लाते हैं, और उसी अस्तित्व के;" (देखो, वो यह कहने की कोशिश कर रहा है कि उन्होंने उसे ऐसा कहा, 'पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा,' और उसने कहा, "यह तो *शीर्षक* है, ना ही नाम है, एक ही अस्तित्व के शीर्षक है।" बिल्कुल ऐसा ही जो हम आज भी सिखा रहे है।) "जैसे उदाहरण के लिए" (और उसके बाद में उपवाक्य) "(अंग्रेजी में), *सामर्थ का प्रभु, सभी का प्रभु पिता, सर्वशक्तिमान परमेश्वर, सबसे उच्च, सृष्टीकर्ता, वो निर्माता,* और इसी तरह से। ये विभिन्न अस्तित्वो के उत्तराधिकारी के नाम और शीर्षक नहीं है, लेकिन एक ही और वो वही है।" (आमीन!) "उस नाम के द्वारा जो एक परमेश्वर, पिता है, जो... वह—वह जो सब इन बातों... सब का प्रदान करने वाला... अस्तित्व के, सारे अस्तित्व का कर्ता।"

10 इरेनियस का यह कहना है कि "ये सभी शीर्षक एक नाम के अंदर मिल गए है, एक ही परमेश्वर के नीचे, और वे तो केवल शीर्षक है कि वो क्या था।" वो शारोन का गुलाब था। यही है जो वो था। यह एक शीर्षक है। वह भोर का तारा था। वह अल्फा था। वह ओमेगा था। यही वो शीर्षक है जो वह था। वह पिता था। वह पुत्र था। वह पवित्र आत्मा था। लेकिन वहाँ *एक* परमेश्वर है। एक परमेश्वर, और उसका एक ही नाम है। और यही वो एक कारण है कि मैंने सोचा इरेनियस सही था यहाँ उसके—उसके निदान में, या वचन के अनुवाद में।

11 एक और बात जो मैं आपके लिए पढ़ना चाहता हूँ, ये इस किताब में पाया जाता है: *हाऊ डीड इट हैपन?* और यह इतिहासकारों के द्वारा लिखा गया है। और, *हाऊ डीड इट हैपन?* जिसे आर.सी. हेज़ल्टाइन के द्वारा लिखा गया, जो प्रारंभिक कलीसिया का इतिहास है। और यहाँ पन्ना 180 पर: "इरेनियस समय में आत्मिक दान, जो ए.डी. 177 से लेकर 202 तक है।" अब, मैं जिस कारण से मैं इसका हवाला डे रहा हूं, यह टेप पर जा रहा है, आप देखते हैं, और इसे—इसे किताबो पर डाला जाएगा:

"यह इरेनियस के समय में था कि फ्रांस की अधिकतर प्रेरितो की कलीसिया थी जिसके पास पवित्र आत्मा के सारे दान थे।" ऐसा उसके सिखाने से था, देखिए। "इरेनीयस के कलीसिया के सदस्य, ल्योन पर," यह ल्योन है, जो फ्रांस में है, "वे अन्य भाषा के साथ बोले। किसी मृत व्यक्ति को जीवन में वापस आते देखना असामान्य बात नहीं थी। चंगाई का होना—चंगाई का होना हर एक दिन की घटना थी जो सारे सुसमाचारक... सुसमाचारक कलीसिया के हर जगह पर होती थी।" जो इरेनीयस जानता था कि कैसे सिखाना है! "चमत्कार अक्सर होते रहते थे। सच में, वे कलीसियाये कभी भी परमेश्वर की उपस्थिति के अद्भुत कार्य के प्रकटीकरण हुए बिना नहीं हुआ करती थी, या तो दर्शन के आधार पर, प्रकृति के तत्वों की रोक, एक चमत्कार में, उस दिन के सुसमाचारक मसीहो को याद दिलाने के लिए, कि वे उसके प्रिय चेले थे। लेकिन पहले के गुजरे हुए इतिहास से, हम एक घटना भी नहीं बटोर सकते है कि पहले की रोमन कलीसिया में मृत जीवित हो गया।"

12 यही लोग है जिन्हें... दोनों में दिलचस्पी नहीं थी, वे तो बस सच्चाई को बता रहे है। ये इतिहासकार हैं।

13 यही कारण है कि मैं इरेनीयस को सोचता हूं, क्योंकि, आप देखते हैं, उसके पास वही विश्वास था जो पौलुस और चेलो ने आगे सौंपा था। इसलिए मुझे... विश्वास है कि वह स्मुरना के कलीसिया का दूत था, क्योंकि वह... उसके पास वही वचन की शिक्षाये थी; और परमेश्वर के वचन के आधार पर वही शिक्षाये जो हर बार उसी चीज को उत्पन्न करेंगी। यदि आप बस परमेश्वर के विधि को लेते है और इसे शब्द दर शब्द लेते है, कोई फर्क नहीं पड़ता कलीसिया जो चाहे कुछ भी कहे, केवल इसे उसी तरह से अनुसरण करें जिस तरह से इसे कहा गया था, यह उसी चीज को उत्पन्न करेगा। और यही इरेनियस ने किया।

14 अब, मुझे लगता है कि पॉलीकार्प एक भला मनुष्य था, समझवाला; लेकिन मैं कहता हूं कि वह कलीसिया को संगठित करने के लिए बहुत झुक गया था, और निकुलीयन की तरह कर रहा था। वे कलीसिया को संगठित कर रहे थे, और—और भाईचारे को एक साथ ला रहे थे। जो बौद्धिक रूप से सब सही दिखाई देता है, लेकिन, आप देखते हैं, आत्मा बौद्धिक चीजो से बहुत ही आगे है इतना तक... आप यहां आत्मा पर—पर ऐसा सोच भी नहीं सकते हैं। "मेरे उच्च विचार तुम्हारे विचारों से बहुत ऊपर हैं," परमेश्वर यों कहता हैं। "मेरे मार्ग तुम्हारे मार्गो से बहुत ऊपर है।" इसलिए वहाँ पर केवल ऐसा करने का एक ही तरीका है; केवल उस पदचिन्हों के नक़्शे के द्वारा उसके पीछे चले। यह सही है।

15 अब, हम सोच सकते हैं, यदि आप यहाँ से जा रहे होते थे... यदि मैं आज रात शिकागो जा रहा हूं, तो मैं यहाँ से निकल सकता हूँ, और मैं एक दिशा बताने वाले यंत्र को लेता हूं, और कहता हूं, "अब आओ देखे, शिकागो इस तरफ दिखा रहा है। तो ठीक है, मैं सीधे इस तरह ले लूंगा।" मैं जेफरसनविल से बाहर नहीं निकलूंगा। समझे? मुझे अपने लिए एक रास्ते के नक़्शे को लेना होगा। और वहाँ—और वहाँ एक लगी हुई है... रेखा खींची हुई है कि मैं छह या सात घंटे में शिकागो के लिए जा सकता हूं मोटर गाड़ी से यात्रा करके, लेकिन मैं बस किसी भी रास्ते से काट कर नही जा सकता हूं।हवाई जहाज किसी भी मार्ग से काट कर नहीं जा सकता है; उसके पास एक—एक हवाई रेखा होती है या एक निश्चित ऊंचाई और चीजें होती हैं जिसमें उसे उड़ान भरना होता है, कुछ तो ठहराई हुई डिग्री होती है उसे उसमें बने रहना होता है।

16 वहाँ एक मार्ग बना हुआ है, और परमेश्वर के पास एक मार्ग है। परमेश्वर के पास उसकी कलीसिया के लिए एक मार्ग है, उसके लोगों के लिए मार्ग है। और उसका कभी भी ऐसा इरादा नहीं किया था कि इसे पोप, कार्डिनल, आर्कबिशप, या मुख्य प्रधान के द्वारा नियंत्रित किया जाए। पवित्र आत्मा जीवित परमेश्वर की कलीसिया का शिक्षक है ताकि इसे ऊपर लाये। और सारी पवित्रता कार्डिनल या याजक के लिए नहीं जाती है, उसे कलीसिया में—में पवित्र व्यक्ति या कुछ भी बनाने के लिए। साधारण जन के पास उतना ही अधिकार है... उतना ही पवित्र आत्मा के लिए अधिकार है, जैसे किसी भी प्रचारक का होता है, पास्टर, डीकन, खजांची, जो कोई भी और है। जन साधारण!

17 और वो कारण कि वे इसे निकु–लीयन कहते हैं... जैसा कि हमने कल रात निकुलीयन को लिया था, हमने शब्द को तोड़ दिया और इसे यूनानी से लिया। और नि–कु, मतलब... *निकु*, जिसका अर्थ होता है "विजय को पाना या उखाड़ फेंकना।" क्या? नि–कु, *जनसाधारण*। "जन साधारण पर जय को पाना," और उन्हें मनुष्य के द्वारा आज्ञा के इसे उखाड़ फेंकना, पादरीगण जो उन्हें सिखाएगे और... वे मिलकर उनके अपने निर्णय को लेंगे, सो ऐसे ही निसियन परिषद को आयोजित किया गया था। क्योंकि बहुत से लोग एक साथ मिल गए और उन्होंने निसियन परिषद में एक आदेश को जारी किया। हम... इस पर बहुत अधिक बात नहीं करना चाहते है, क्योंकि यही है जो गुरुवार की रात, निसियन परिषद के लिए है।

18 लेकिन यही है जहाँ रोमन कैथोलिक कलीसिया का गठन किया गया था, लोगों के एक झुण्ड से बाहर जो संत पौलुस, और इरेनीयस और संत मार्टिन और इत्यादि आगे परिवर्तित हुए थे। वे परिवर्तित हुए मसीही थे... पागानवाद से मसीहत में परिवर्तित हुए, लेकिन वे कलीसिया को एक पुराने नियम के शैली की सेवकाई में पीछे खींचना चाहते थे, जैसे कि महायाजको का होना, और—और प्रेरिताई का उत्तराधिकार, जैसे एक पोप से दूसरा पोप, एक और दूसरा पोप। यदि हम पीछे इस बाइबिल में से होते हुए जा सकते है, तो आप यह पाएंगे कि यही बस वास्तव में सच्चाई है और कैसे परमेश्वर ने आरंभ से ही इस बात को दोषी ठहराया; और पिछली रात के कलीसिया युग ने कहा, "मैं इससे घृणा करता हूं!" और वैसा ही कलीसिया ने किया।

19 परमेश्वर का कभी भी ऐसा इरादा नहीं था कि कलीसिया को मनुष्यों के द्वारा चलाया जाए। परमेश्वर उसकी कलीसिया को चलाता है, और वह इसे आत्मा के दानो के जरिये से चलाता है। कलीसिया में आत्मा के दान होते है जिससे कि आत्मा का सुधार करे। उसके पास उसकी कलीसिया में पाँच सेवकाई के कार्य स्थान होते हैं। उनमें से सबसे पहले प्रेरित हैं, या मिशनरीयां है। मिशनरी में वहाँ जो सर्वोच्च बुलावट है, वो प्रेरित की है। वो शब्द *मिशनरी* का मतलब "एक भेजा हुआ"; *प्रेरित* का अर्थ है "एक भेजा हुआ।" उन्होंने हमेशा ही मिशनरी कहलवाना क्यों चुना, मैं नहीं जानता। लेकिन वे प्रेरित हैं। ठीक है। प्रेरित, भविष्यद्वक्ता, शिक्षक, सुसमाचारक, पास्टर। अब, यही परमेश्वर के उसके कलीसिया के लिए चुने हुए कार्य स्थान हैं।

20 फिर प्रत्येक स्थानीय कलीसिया में वहाँ पर नौ आत्मिक दान होते है जो लोगो के बीच आते है, जो है, ज्ञान, बुद्धि, चंगाई के दान, अद्भुत कार्य को करना, अन्य भाषा में बोलना, अन्य भाषा का अनुवाद करना। और ये सभी चीजें प्रत्येक स्थानीय कलीसिया में जाती हैं।और कलीसिया में हर व्यक्ति के पास एक व्यक्तिगत सेवकाई होती है, और यह व्यक्तिगत सेवकाई जो बाकी की सेवकाई के साथ–साथ जाती है, यीशु मसीह की देह के उन्नती के लिए। और ना ही कभीं...

21 अब, इसे याद रखें, कि यहाँ... मैं आज रात इन रेखाओ को यहाँ चित्रित करूँगा। पहली कलीसिया, इफिसुस; स्मुरना, पिरगमुन, थूआतिरा, सरदीस, फिलेदिलफिया, लौदिकिया। अब, याद रखें कि जैसे यह आगे बढ़ता है, *इस* कलीसिया के पास आत्मा की परिपूर्णता थी, लेकिन कलीसिया युग के अंत में हम पाते हैं कि इसे बाहर किया गया था। अगली कलीसिया युग ने थोड़ा और बाहर किया; थोड़ा और; *इस* एक तक, वहाँ बस एक जरा सा छोटा सूक्ष्म बिंदु है। "तुम्हारे पास कुछ बातें है," उसने कहा। ओह, जब हम उस थुआतीरा कलीसिया युग के लिए पहुँचते है!

22 अब, उसके आने के बाद, परमेश्वर ने मार्टिन लूथर नाम से एक जर्मन को खड़ा किया जिसने कलीसिया को फिर से वापस परिवर्तित किया। इसने थोड़ा सा और आरंभ किया, उसने धर्मिकरण को प्रचार किया; आगे मार्टिन लूथर ने आकर, धर्मिकरण को प्रचार किया। आगे जॉन वेस्ली आता है और पवित्रीकरण को प्रचार दिया। फिर *यहाँ* इस कलीसिया युग में, वे

सीधे फिर से वापस पवित्र आत्मा के बपतिस्मा के लिए फिर से आते हैं, उसी चिन्हो और चमत्कारों के साथ, सीधे आगे आते हैं। *यहाँ* है जहाँ ये अंधकार के युग के पंद्रह सौ वर्षों में से होते हुए बाहर चला गया। और वहाँ है जहाँ सबसे अंधकार... या कलीसिया की सबसे लंबी अवधि जो हमारे पास कलीसिया के युगो में थी। फिर *यहाँ* है जहाँ यह आगे आरंभ होता है, धर्मिकरण, पवित्रीकरण, पवित्र आत्मा का बपतिस्मा। और बाइबल ने यह कहा, "*इस* युग के अंत में, जो यहाँ इस छोटे से अल्पसंख्यक लोगो को दबा दिया जाएगा क्योंकि वही पेंटीकोस्ट कलीसिया के काम करना आरंभ कर देगा, जो उन्होंने *यहाँ*, निकुलीयन में आरंभ किया था।" (हे परमेश्वर, मैं अपना मुंह बंद रखूं जब तक कि मैं उस तक नहीं पहुंच जाऊं।) आपने देखा? मैं वहां जो देख सकता हूं। देखो, जब तक आप यहां देख नहीं सकते है। और मैं आपको इस कलीसिया के युग का सन्देशवाहक दिखाऊंगा जो संप्रदायों से घृणा करेगा। संतानों में आत्मा उठ खड़ा होगा। ऐसा हमेशा ही रहा है।और अब हमारे पास एक...

23 अब, यदि आप इस पर ध्यान देंगे, यह यहाँ किस तरह से बहुत अधिक था, बाहर चला गया, और अंत में इसे पूरी तरह से दबाकर बाहर निकाल दिया। उसके बाद यह वापस आरंभ होने लगता है। लूथर ने इसे वापस खींच लिया, धर्मिकरण; पवित्रीकरण; पवित्र आत्मा का बपतिस्मा; और फिर ठीक अंत के समय में, उसने इसे सीधे नीचे दबा दिया, जब तक यह लगभग पूरी तरह से बाहर नहीं चला गया, वहाँ बस एक छोटा जार सा अंश वहाँ पर है, और यही है जब वह चिल्लाता है "यदि वह चुने हुओ के कारण दिन को नहीं घटाता है, तो वहाँ कोई देह नहीं बचेगी।" समझे? आप वहाँ हैं, ठीक अंत के समय पर। अब इसे मन में रखे।

24 अब हम इस स्मुरना कलीसिया युग को आरंभ करने जा रहे हैं। पहले मैं इसे किसी कागज पर लिख देना चाहता हूं जो मेरे कि—जो कि मेरे पास है। अब, दूसरी कलीसिया का युग स्मुरना रहा है, और मेरा विश्वास है कि आप सभी मुझसे सहमत होंगे (या मुझे आशा है कि आप करते है, या अधुरा, किसी भी तरह) कि इरेनीयस उस कलीसिया युग के लिए तारा था। वो परमेश्वर का संदेशवाहक था क्योंकि उसने देश को हिला दिया, फ्रांस (गॉल) के अंदर, वहाँ आगे की ओर, और उसने कलीसियाओ की स्थापना की, और उनमें से हर एक जन को पवित्र आत्मा के बपतिस्मा पर स्थापित किया गया था, अन्य जुबान में बोलना, मुर्दों को जिलाना, बीमारो

को चंगा करना, बारिश को रोकना, और रोजाना अद्भुत काम को करना। वे जानते थे कि जीवित परमेश्वर लोगों के बीच रहता था। वह परमेश्वर का जन था, क्योंकि यीशु ने कहा, "कोई भी मनुष्य नहीं कर सकता... " या उन—उन लोगों ने कहा, "कोई भी मनुष्य ये काम नहीं कर सकता है जब तक परमेश्वर उसके साथ न हो।" यह निकुदेमस था जिसने यीशु को ऐसा कहा था।

25 अब, एक व्यापार करने का शहर; व्यापार करने के लिए एक केंद्र, लिडया की ओर और पश्चिम की ओर। एशिया का तीसरा सबसे बड़ा शहर, एक बड़ा बंदरगाह शहर। धन–संपति, मंदिर, इमारते, स्कूल, चिकित्सा और विज्ञान के लिए प्रसिद्ध। यहूदी स्मुरना में रहते थे, और उन्होंने स्मुरियन के लोगों को सुसमाचार प्रचार किया। पॉलीकार्प स्मुरना का पहला बिशप था। पॉलीकार्प और अन्य वफादार सेवकों ने स्मुरना के विश्वास करने वालो के अंदर गहरे परमेश्वर के विश्वास को स्थापित किया। प्रारंभिक कलीसिया के पिताओ ने स्मुरना के लिए सत्य के शब्दों से उभारा।

26 स्मुरना की कलीसिया का युग, कलीसिया का नाम स्मुरना था, मेरा मतलब *स्मुरना,* इसका अर्थ है "कड़वाहट," लोबान। यह मृत से संबंधित होता है, क्योंकि वे मर रहे थे।

27 एक सताई हुई कलीसिया, परमेश्वर ने उन्हें "सताई हुई" कहा। परमेश्वर ने उनके सतावट को देखा, और इसे सहन करने के लिए अनुग्रह दिया। उसने उसके महासंकट पर देखा, और उन्हें मृत्यु पर जय को दिया। उनकी दरिद्रता को देखा, और उन्हें उस में धन दिया। स्मुरना की कलीसिया महासंकटो की आग की भट्टी से होकर गुजरी, लेकिन, उसके प्रति एक मीठी सुवास महक थी। यही है जो बचे हुए है, ना ही सम्पूर्ण स्मुरना कलीसिया; बस अवशेष लोगो के लिए मैं बोल रहा हूँ। उन बड़े *दस दिनों के क्लेश का मतलब* "दस वर्ष का लहूलूहान सताया जाना है।"

28 मैं नहीं जानता कि मैं इस नाम का उच्चारण कर सकता हूं, या इसका उच्चारण कर सकता हूं, या नहीं। यह उस समय पर सम्राट था, मैं सोचता हूं, ये 67 नीरो के बाद से उन सब में एक लहूलुहान था। डी–आई–ओ–सी–एल–ई–टी–आई–ए–एन जो वर्ष 303 से 312 ए.डी के दौरान था।

29 परमेश्वर ने स्मुरना को मृत्यु के निमित वफादार बने रहने के लिए उत्साहित करता है जैसे वो था, "और मैं तुम्हे एक जीवन का मुकुट दूंगा,

जैसे पिता ने मुझे दिया है।" परमेश्वर ने जय पाने वालो के लिए प्रतिज्ञा की है (उस क्लेश के समय पर) दूसरी मृत्यु पर विजय, "उनसे मत डरो जो शरीर को घात को सकता हैं, लेकिन उससे जो प्राण को नष्ट कर सकते हैं, या, प्राण को मार डालते हैं।" यह... स्मुरना के लोगो को अंत तक सहन करना है, "डरो मत मनुष्य, और एक जीवन का मुकुट तुम्हे दिया जायेगा।" युगों में मसिहत का सताया जाना जो नमूना है, स्मुरना का, जो बहुत महत्वपूर्ण हैं। हम इसे लेना चाहते हैं बस कुछ ही समय में, प्रभु ने चाहा तो।

30 अब, यदि आप में से कुछ लोग इनमें से कुछ चुक जाते है... यदि मैं उन्हें बाकी कक्षा के लिए थोड़ा बहुत तेज लिखता हूं, तो हम... हम... आप निश्चित रूप से किसी भी समय आप हमसे ले सकते हैं, हमें आपको देने के लिए—के लिए खुशी होगी। (क्षमा करें।)

31 अब 2रे अध्याय और 8 वें पद से, हम आज रात शुरू करते हैं। अब, कल रात हमने उसे कहाँ पर छोड़ा था? वह निश्चित रूप से... निकुलियन से घृणा करता था। क्या वह सही है? अब परमेश्वर क्या करता है? हमें पहले क्या पता लगाना होगा? यीशु मसीह का प्रकाशन, वह कौन है और वह क्या है। अब अगली बड़ी चीज, हम यह देखते है कि वह उस किसी भी चीज से घृणा करता है जो बावजूद उसके खुद के राज्य करने के, उसकी कलीसिया के ऊपर किसी को भी राज्य करने को लगायेगा। वह जलन रखने वाला परमेश्वर है।

32 कैसे भी मैं रुकना चाहता हूँ, क्योंकि हमारे पास यहाँ पद है, बस कुछ छोटा सा किसी बात का हवाला देने के लिए। कितने लोग याद कर सकते हैं जब वो भला नबी, शमुएल, जब सारा इस्राएल बाकी के संसार की तरह व्यवहार करना चाहता था? क्या आपको यह याद है? और नबी ने उनसे कहा, "तुम गलत हो!" लेकिन वे पलिश्तियों की तरह व्यवहार करना चाहता थे, और उन—उन बाकी लोगो की तरह। तो ठीक है, यही है जो वास्तव में इस उसी पहले के कलीसिया युग में हुआ। यह अजीब बात है कि लोग नहीं चाहते है कि परमेश्वर उन्हें नेतृत्व करे। वे पीछे चलना चाहते थे... वे किसी मनुष्य को चाहते थे। इस्राएल, जो उसने किया वो अब तक की, की गयी ये सबसे बड़ी गलती है, जब... अनुग्रह ने पहले से ही उनके लिए एक नबी का प्रयोजन किया था, एक अगुवाही करने

वाला, उनके लिए एक मेमने का प्रयोजन किया एक प्रायश्चिता की नाई, और उनके लिए आकाश से भोजन का प्रयोजन किया, और सारी अच्छी चीजे जिसे अनुग्रह ने उनके लिए प्रजोजन की थी, और फिर भी, निर्गमन 19 में, वे एक नियम को चाहते थे। वे चाहते थे दिव्यता के विद्वानों को बनाये, और कुछ मनुष्य उनके पास हो, वे इसके अंदर भी, कुछ तो करना चाहते थे।

33 मनुष्य हमेशा उसी सृष्टिकर्ता से चालाकी करने की कोशिश करता है जिसने उसे बनाया है, और वह एक चीज को भी नहीं करता है लेकिन खुद को ही खत्म कर देता है। जैसे कुछ रविवार पहले मैंने उस—उस *संकरित धर्म* पर प्रचार किया। और वास्तव में ऐसा ही है। जब आप कुछ भी संकरित करते हैं, तो यह कभी भी नहीं... यह खत्म हो जाता है! यह समाप्त हो गया, यह अब और वापस नहीं आ सकता है। एक खच्चर फिर से प्रजनन नहीं कर सकता है, कि और एक और खच्चर को लाये, क्योंकि वह—वह एक खच्चर है, वह एक संकरित है। अच्छा मकई का दाना, आप अच्छे संकरित मकई के दाने से अच्छे मकई को ऊपर नहीं ला सकते हैं। ऐसा होगा भी नहीं... यह हो सकता है ऊपर आये, लेकिन यह—यह, ओह, यह बिल्कुल भी अच्छा नहीं करता है। आप ऐसा नहीं कर सकते है। कोई भी चीज जो संकरित है अच्छी नहीं है।

34 और एक संकरित धर्म अच्छा नहीं होता है! जब आप परमेश्वर ने जो कहा है उस पर कुछ भी जोड़ने की कोशिश करते हैं, या ऐसा कुछ भी करते है जो परमेश्वर नहीं चाहता है कि आप करे, तो यह एक संकरित धर्म है। यह आकर्षित लग सकता है। ओह, संकरित मकई का दाना प्राकृतिक मकई के दाने से अधिक चमकेगा। एक पुराना खच्चर दो घोड़ों के काम को करेगा। खैर, यही है... यह काम नहीं करेगा, भाई, यह अनुग्रह ही है कि हम इसके द्वारा बचाए गए हैं। "हम कामो के द्वारा नहीं बचाए जाते हैं, लेकिन अनुग्रह के द्वारा।" तो यह हो सकता है... मैं आशा करता हूं कि आप इन टिप्पणियों के लिए नहीं सोचते हैं... आप एक तनाव के नीचे बैठे हुए हैं, और मैं—मैं इसे यहाँ पर महसूस कर रहा हूँ। आप समझे? क्योंकि यहां पर प्रेस्बिटेरियन, मेथोडिस्ट और सभी प्रकार के लोग हैं। हम यह जानते हैं। और इसलिए मैं—मैं इसे महसूस करता हूं। और आपको कभी तो एक बार कुछ तो अपने आप को नरम करना होगा, इस तरह से अपने आप इससे मुक्त करके।

35 अब, सुनना। कोई भी चीज जो संकरित है वो अच्छी नहीं होती है। आपको उस मूल को लेना होगा, जिस तरह से परमेश्वर ने बनाया है, तब आपको कुछ तों ऐसा मिलता है जो वास्तविक है।

36 अब, फिर हम देखते है कि यह इस्राएल की कलीसिया, जैसा कि वे आगे बढे, परमेश्वर ने उन्हें खिलाया, और उनकी देखभाल की, और उनके लिए सब कुछ किया। और अंत में उन्होंने पलिश्तियों की ओर देखा, और अमोरीयो को... और उन भिन्न–भिन्न को, और कहा, "हम एक राजा चाहते हैं! उनके पास कोई तो है जो हमें नहीं मिला।"

37 यही वो बात है आज लोग करते हैं। इनमें से एक, हमारी बहने, टेलीविजन की ओर देखेंगी और कहेंगी देखो ग्लोरिया स्वानसन, या जो कोई भी वे है... उनमें से कुछ महिलाये जो एक खास प्रकार की पोशाक पहने हुए होती है और वे बस रुक नहीं सकती जब तक उन्हें वो एक पोशाक मिल नहीं जाती है। देखा? आप किसी महिला को शहर में देखते हैं, "ओह, क्या वह प्यारी नहीं है?" आप क्या मन में लाते है, उस महिला ने क्या पहना है? लोग, बस इसी तरह से है, मैंने कहा कि यह नक़ल करने के—के दिन है, कोई तो किसी अन्य की नक़ल करना चाहता है। आप ले... वहां अब बहुत से एल्विस प्रेस्ली है, मैं—मैं आपको बताता हूं, आप उन्हें माल गाडी में ढेर नहीं लगा सकते है, क्योंकि वह लोकप्रिय हो गया है शारीरिक में–... नकलों में!

38 हमारे पास धर्म में वही चीज है। वो... मैं मार्टिन लूथर का इतिहास पढ़ रहा था, और आप में से कोई भी इतिहासकार जानता होगा। उन्होंने कहा कि यह एक रहस्यमय बात नहीं थी कि लूथर, कैथोलिक कलीसिया का विरोध कर सकता है और इसके साथ जा सकता है, लेकिन सबसे बड़ा रहस्य यह है कि वह अपने सिर को ऊपर उठा कर रख सकता है उन सब कट्टरपंथीयो के ऊपर जिन्होंने उसके बेदारी का पालन किया और अब भी वचन के साथ बने रहता है। यही वो चमत्कार है, कि कैसे परमेश्वर ने उसे साफ़ और सीधा रखा।

39 अब, इसलिए वे इस शमूएल के पास आए। उन्होंने कहा, "हमें एक... या हमारे लिए एक—एक राजा बना दो।" और प्रभु ने उसे बताया कि उसने उस विचार को अस्वीकार कर दिया, बिल्कुल वैसे ही जैसे उसने यहाँ संगठन को अस्वीकार किया।

40 जैसे उसने इसे अस्वीकार कर दिया, उसने संगठनों को अस्वीकार कर दिया। वह शारीरिक गठन को अस्वीकार नहीं करता है, लेकिन संगठन को। शारीरिक गठन, हमारे पास यह होने के लिए होना है। लेकिन संगठन को हमारे पास होने के लिए नहीं होना है, क्योंकि यह रेखाओ को खींचता है: "हम *फलां–और–फलां* है।" क्या तुम एक मसीही हो? "मैं मेथोडिस्ट हूँ।" क्या तुम एक मसीही हो? "मैं बैपटिस्ट हूं।" इसका मतलब एक सुअर का जानवरों के बाड़े में रहने से अधिक कुछ नहीं है। इसका इससे कोई लेना देना नहीं है, बिल्कुल नहीं। एक मसीही!

41 मैंने एक रात एक लड़की से मंच पर पूछा, "क्या तुम एक मसीही हो? "

वह बोली, "क्योंकि, मैं आपको समझाने के लिए बताती हूं, मैं हर रात एक मोमबत्ती को जलाती हूं।" जैसा कि मसीही धर्म के साथ कुछ भी लेना–देना हैं!

42 एक अन्य व्यक्ति ने कहा, "ठीक है, मैं एक अमेरिकी हूं। यक़ीनन!" खैर, इससे कोई लेना–देना नहीं है, ना ही एक भी चीज। आप एक मसीही हैं क्योंकि आप दूसरे राज्य से संबंध रखते हैं। ये सही है। और आप—आप ऊपर के एक अलग राज्य में है।

43 अब, शमूएल ने क्या किया? बस उसी काम को जो परमेश्वर ने यहाँ किया था। शमूएल ने इस्राएल को एक साथ बुलाया, उसने कहा, "अब, मेरी बात सुनो। मैं आपसे कुछ पूछना चाहता हूँ। क्या कभी ऐसा समय आया है कि मैंने आपको कभी ऐसा कुछ बताया जो सच नहीं था? " कहा, "मैं—मैं तुम्हारे बीच में परमेश्वर का नबी हूं। मुझे बताओ एक बार भी मैंने कभी आपको प्रभु के नाम में कुछ भी बताया जो पूरा नहीं हुआ हो।" यही है जो शमूएल ने उनसे कहा। उसने कहा, "और क्या परमेश्वर ने आपको नहीं खिलाया और आपका ध्यान नहीं रखा है और इन सारी चीजो को नहीं किया है? " कहा, "तुम दुसरे देशो के समान व्यवहार करने की कोशिश करने के द्वारा पाप को कर रहे हो।"

"ओह... " उन्होंने कहा।

44 उसने कहा, "मैं आपसे कुछ और पूछना चाहता हूं। मैंने कभी कोई आपसे पैसा ले लिया हैं? क्या मैंने कभी आपसे भेंट की मांग की है? या क्या मैंने कभी आपको कुछ भी प्रभु के नाम में बताया जो पूरा नहीं हुआ हो? "

उन्होंने कहा, "नहीं। तुमने कभी हमारा पैसा नहीं लिया, यह सच है। और तुमने कभी प्रभु के नाम में कुछ भी ऐसा नहीं बताया जो पूरा नहीं हुआ।"

उसने कहा, "तो मेरी सुनो! तुम बाकी लोगों की तरह व्यवहार करने की कोशिश करने के द्वारा पाप को कर रहे हो।" लेकिन वे किसी भी तरह से एक राजा को चाहते थे! भले ही चाहे यह सही था या गलत, वे—वे अपने विचार को अंजाम देना चाहते थे।

45 इसी बात को कलीसिया ने ठीक यहाँ इफिसुस पर किया है, उन्होंने निकुलियन की शिक्षा को लिया है। और जब उन्होंने किया, इसने उन्हें पागानवाद और मसिहत को एक साथ बदलने के सीधा अंदर धकेल दिया और पन्द्रह सौ वर्ष अंधकार के युगो का कारण बना। और जब लूथर ने उन्हें बाहर निकाला, क्या (दूसरे दौर में) लूथरन ने उसी बात को नहीं किया जो उन्होंने इफिसुस में पीछे किया था! बिल्कुल किया।

46 अब, यदि आप ध्यान देंगे, वे धूपदान *इस* तरह पूर्ण रूप से नही जले हुए थे। वे *इस* तरफ से नीचे आने लगे और ऊपर आ गए। ठीक है, वो एक सबसे ऊंचाई में दूर जहां वो खड़ा था ये एक जो *यहाँ* ऊपर था। और मसिहत को धीरे–धीरे करके बाहर धकेल दिया गया जैसे यह यहाँ से निकल गया जहां वह खडा हुआ था क्रूस के आकार में, जैसे हम उसे 4 अध्याय में देखते हैं; *इस* तरह से क्रूस के आकार में। और *यह* उसका दांया हाथ है, *यह* उसका बायां हाथ था।अब, ठीक *यहाँ*, वह था उसका हाथ *इस* कलीसिया पर था और *उस* कलीसिया पर। वह अल्फा और ओमेगा दोनों था और निश्चित रूप से, पूरी तरह दोनों के बीच था, सब जो दुसरे शब्द है। लेकिन उसने विशेष रूप से कहा, "अल्फा और ओमेगा।" उसके सिर के ऊपर मेधधनुष था, जो उसकी वाचा थी।

47 अब, यदि आप ध्यान दें, तो पेंटीकोस्ट का उजियाला, जहां यह आरंभ हुआ, धीरे–धीरे करके बाहर निकल गया। ये मनुष्य, इरेनियस, पोलीकार्प, वे बाकी के सब लोग, उन्होंने उनकी गवाही को उनके लहू के साथ मोहरबंद किया, इतना तक कि इसने अंत में मसिहत को अंधकार के दिनो के अंदर दबा दिया।

48 अब देखो, पहला युग उसके दूसरी ओर बड़ा उभार था, वहां से कुछ जरा सा उजियाला आ रहा था, थोडा और उजियाला, उसके बाद थोडा

और उजियाला। देखें कि यह कैसे फिर से चमकने लगता है, उस दिन तक आ रहा है। और अब *इस* युग के अंत पर, यह भविष्यवाणी की गयी है कि यह एक *लौदिकीयन* के लिए आता है, एक "गुनगुना।" अब, यहाँ है यह। इसलिए, यदि यहाँ *यह* चीज उन्हें *इसके* लिए लेकर आई, तो हम यहाँ पेंटीकोस्ट में क्यों चाहेंगे?

49 और आप जानते हो बाइबिल ने कहा, "एक पशु होगा।" और हम जानते हैं कि यह रोमन पोप का शासनकाल है। यह बिल्कुल सही है। और फिर वे उस पशु के निमित एक छवि को तैयार करेंगे। एक छवि क्या है? कुछ तो जो इसके जैसा बनाया गया है। और यही कलीसियाओ का संगठन है, और पेंटीकोस्ट इसी में है। एक समय आएगा जहां आप या तो एक संगठन से संबंध रखेंगे या आप अपना दरवाजे को खुला नहीं रख सकते है। अब आप देखना कि क्या यह सच नहीं है! यही कारण है कि हम इसे मरने तक कूटते हैं। जी हाँ, श्रीमान। आप असमर्थ... उससे भी नीचे, वे आपको इतनी बुरी तरह से फ़साने की कोशिश करेंगे, इतना तक वे कोशिश करेंगे... आपको खरीदने या बेचने नहीं देंगे जब तक आप उस संगठन के चिन्ह को अपने ऊपर नहीं लगा लेते है। यह सीधे इसमें लेकर आता है।

50 बिल्कुल वैसे ही उस दिन की तरह, उन्होंने उन्हें जला दिया, वे... मैं वहीं उस रणभूमि में खड़ा था; मैं एक बालक की तरह रोने लगा वहाँ जहां पर तलवार चलाने वालो ने उस पुराने रणभूमि में मजबूर किया होगा। और—और उन चीजों को देखकर, और जानकर कि मेरे बहुत से मसीही भाइयों को शेरों के द्वारा खाया गया था और—और वहाँ उस जमीन पर टुकड़े–टुकड़े किया गया, और महिलाओं और छोटे बच्चों और इत्यादि को। और मैं सोचता हूं, यदि वे सारे विश्वास में नीचे चले गए, तो क्या मैं उन्हें अब नीचे रहने दूंगा? नहीं, श्रीमान, भाईयों! परमेश्वर, मुझे विश्वास के लिए खड़े होने दीजिये जो एक बार संतों को सौपा गया था! वही एक ही बात, कोई फर्क नहीं पड़ता कितने अलोकप्रिय...

51 कोई तो हमेशा ही यह कहना चाहता है, "ठीक है... " किसी ने तो कहा ज्यादा समय नहीं हुआ... ओह! कार्यक्षेत्र पर कितने बड़े–बड़े सेवको ने मुझे बुलाकर और कहा, "भाई ब्रंहम, यदि आप इसे नहीं रोकते हैं, तो हर एक संगठन आपके विरोध में हो जायेगा।"

52 "क्यों," मैंने कहा, "वहाँ एक है जो विरोध में नहीं होगा, वही वो एक है जो स्वर्ग में है। वही है वो जिसके लिए मैं देख रहा हूं।" समझे? अब, मैं हर एक संगठन में लोगों से प्रेम करता हूं। यक़ीनन। लेकिन क्या मैंने कभी आपको कुछ भी ऐसा बताया है जो प्रभु... प्रभु के नाम में, जो पूरा नहीं हुआ? देखा? क्या जो सब कुछ बताया गया है क्या सही–सही पूरा हुआ है? क्या आपसे मैंने कभी पैसो के लिए मांग की है? तो फिर संगठनों से बाहर बने रहो! आप मसीह में आजाद बने रहे, पवित्र आत्मा हमेशा ही कलीसिया में अंदर और बाहर मंडराता रहे।

53 केवल एक ही चीज की समस्या है, इन सभी छोटे–छोटे मतभेदों को आप से दूर करे। छोटे–छोटे वाद, और कुछ हास्यमय भावनाये जो भाइयों के प्रति आपको घेरे हुए है, और इस तरह की चीजे, इसे झटक कर दूर करे! कड़वाहट की कोई जड़ कभी भी आपके प्राण के अंदर न आने दें। यदि आप आने देते हैं, तो यह आपको नष्ट कर देगा। सही है। प्रेम रखे! मैं परवाह नहीं करता हूं कि लोग आपसे कितनी घृणा करते हो, कुछ भी हो आप उन्हें प्रेम करे। यदि आप ऐसा नहीं कर सकते हैं, तो आपको... आपको जरूरत है... आपको मोहरबंद नहीं किया जाता है, आपके पास अभी भी एक ढीली–ढाली जगह है। तो आगे बढ़ो, उस पर वापस आ जाओ, और मसीह के लहू से ठीक सही तरह से उसे मोहरबंद होने दो। यह कड़वाहट की सभी जड़ों से आपको साफ़ कर देगा। जी हाँ।

54 अब, देखो, लेकिन हम फिर से कोशिश कर रहे हैं। पेंटीकोस्टल आशीष लगभग 1906 में गिरी, वहां कहीं पर तो। आज रात हमारे साथ एक सेवक बैठे हुए है, जो तिब्बत से आये हुए एक मिशनरी है, सबसे एक– ... मैं इसे नहीं कहता क्योंकि वो यहाँ उपस्थित है; मैं आशा करता हूं कि वो घर नहीं गये है। मुझे लगता है कि वह अभी भी यहाँ पर है, वे हमारे लिए थोडा कुछ बोलने वाले थे इससे पहले मैं यहाँ पर आता। और वो मनुष्य पहले पेंटीकोस्ट को याद करता है। वहाँ कोई भी संगठना नही थी, हर एक के पास एक समान बातें थी। ओह, वहां पर सीधे गलत कदम को उठाना ये कितना आसान है, और ये कितना अच्छा दिखाई देता है उन बौद्धिक लोगो के लिए।

55 देखो, इस्राएल को थोडा ही पता था जब वे तट के पास खड़े थे, चिल्ला रहे थे... अब, आप कहते हैं, "इस तरह का धर्म कुछ तो नया है।" क्यों,

यह तो सबसे पुराना है। यक़ीनन। इससे पहले कि दुनिया को कभी बनया गया था, वे चिल्ला रहे थे और परमेश्वर की स्तुती कर रहे थे। परमेश्वर ने ऐसा कहा, अय्यूब से पूछा, "जब वह—जब वह भोर तारे एक साथ गा रहे थे, तब वह कहाँ पर था, और परमेश्वर के पुत्र आनंद से चिल्ला उठे।" यही है इससे पहले कि दुनिया कभी बनाई गई थी।

56 लेकिन अब इस्राएल को देखो, उन्होंने अद्भुत कार्यो को देखा। यही शुरुआती पेंटीकोस्ट है; इस्राएल, जो उस दिन के पेंटीकोस्ट है। अब उन्हें मिस्र से बाहर लाया गया था, परमेश्वर ने उन्हें आशीषित किया था, उन्हें सभी प्रकार के बड़े चिन्हों और चमत्कारो को देकर, और उन्हें छुड़ाया। और जब वे उस समुन्द्र तट पर खड़े थे और एक पेंटीकोस्टल की सभा हुई थी... उन्होंने किया! अब सुनना। मूसा ने आत्मा में गाया, और मरियम ने एक डफ को लिया और नीचे तट पर दौड़ कर गयी, इस डफ को बजाने लगी, आत्मा में नाचते हुए; और इसराइल की पुत्रियां उसके साथ–साथ नाचने लगी, आत्मा में नाच रहे थे। क्या यह पेंटीकोस्टल सभा नहीं है, मैंने ऐसी एक सभा कभी नहीं देखी है। उन्होंने कुछ तो विश्वास किया कि वो—वो प्रतिज्ञा देश चालीस वर्ष उनसे आगे की ओर था। यह तो केवल लगभग चालीस मील की दूरी पर ही था। लेकिन इसके लिए उन्हें चालीस वर्ष लग गए चालीस मील की दूरी तय करने के लिए, क्योंकि उन्होंने गलत चीज को चुना था। उन्होंने एक नियम के होने को चुना बजाय कि पवित्र आत्मा उनके लिए नेतृत्व को करे, आग का स्तंभ उन को वहां से होते हुए लेकर जा रहा था और उनका नेतृत्व कर रहा था। वे किसी चीज के लिए चाहते थे कि उनके खुद के लिए कुछ तो करे; वे किसी तरह के याजको को चाहते थे, और कुछ उच्च पदाधिकारी व्यक्तियों को, और एक कुछ धर्मज्ञानी, वे इस बारे में वाद–विवाद को कर सकते हो और बजाये इसके कि बस आगे बढ़ते रहे और पवित्र आत्मा उन्हें अगुवाही करे। वे आत्मा में थे; परमेश्वर ने उन्हें हर एक चीज प्रदान की थी, लेकिन उनके पास कोई तो होना था ताकि इसके अंदर कुछ तो करे।

57 ये बस फिर से संकरित करने की तरह है। गाय को वैसा ही रहने दो। घोड़े को वैसा ही रहने दो। भोजन को वैसा ही रहने दो। वे... विज्ञान में दावा किया है, पत्रिका *रीडर्स डाइजेस्ट*, में इसके बारे में लेख है, यदि वे भोजन को इसी तरह से संकरित करते रहे, और लोग इसे खाते है... जैसे कि मुर्गियां, उन्हें वे बेचारी मुर्गियां प्राप्त होती है, इतना तक इसके कोई पंख

ही नहीं होते या पैर नहीं होते है। और यदि यह पड़ा रहता है, तो यह अपने आप मर जाता है, वे केवल एक वर्ष ही जीवित रह सकते हैं। और मांस तंतु इतना नरम होता है कि आप शायद इसे खा भी नहीं सकते है। और लोग इसे खा रहे हैं, यह लोगों को दूषित कर रहा है। ये सही है।

58 आप जानते हैं, संयुक्त राज्य अमेरिका में एक वर्ष के अंदर ही समलैंगिकता लगभग चालीस प्रतिशत बढ़ गई है। और क्या आप जानते है कि विज्ञान का दावा है कि महिलाये अपने कंधो पर से चौडी हो रही है और कमर में सकडी हो रही है, और पुरुष अपने कंधे पर से सकडे हो रहे है और कमर से चौड़े? आपने दूषित बीजो को खा रहे है, आप दूषित चीजे खा रहे हैं। आपके शरीर को प्राकृतिक चीजो पर फलने–फूलने के लिए बनाया था। और यह क्या कर रहा है? यह यहाँ तक पुरुषों और महिलाओं के प्राकृतिक नियम को भी बदल रहा है, इतना तक हॉलीवुड, यहाँ तक हमारी सरकार और सब कुछ दूषितपन से भरा हुआ है। वो क्या कर रहा है? वे इसे अपने आप के लिए ला रहे है अपने स्वयं के ज्ञान के पेड़ के द्वारा, खुद की हत्या कर रहे है।

59 आदि की ओर वापस जाये! प्रकृति को वैसा ही रहने दे। परमेश्वर को वैसा ही रहने दे। कलीसिया को पवित्र आत्मा में रखें; और इन सभी बिशपों और पोप से दूर हो जाये जो सभी प्रकार की शिक्षा के साथ है। वापस जाए जहां हमने आरंभ किया। वापस जाए। यीशु आज रात को आएगा, आप कहेंगे, "मैं एक मेथोडिस्ट हूं।"

वह कहता है, "ये ऐसा आदि से नहीं था!"

"मैं प्रेस्बिटेरियन हूं।"

"ये ऐसा आदि से नहीं था!" आदि में क्या था? एक पवित्र आत्मा के बपतिस्मा का पेंटीकोस्टल अनुभव। ये इस तरह से आरंभ हुआ।

60 लेकिन, देखो, हमें इसे दूषित करना था। ओह, यह सुंदर बनाता है। यक़ीनन। वह छोटी सी कलीसिया वहां चारो ओर खडी है, नाच रहे है, और चिल्ला रहे है; और नीचे सड़क पर, और लोग उन पर पत्थर फेंक रहे हैं, उनका मज़ाक उड़ा रहे हैं, और इसी तरह से हर एक चीज हो रही थी। यह बहुत सुंदर नहीं है। "लेकिन अब हमारे पास बड़े–बड़े स्तुती गान है, और प्रेरितों की संस्था है और, ओह, डॉक्टर पीएच.डी, एल.एल., दुगना एल.डी., *फलां–और–फलां* जो हमारे पास्टर पद के लिए है।" और बाहर

आकर और कहते हैं, "आ–मीन," जैसे एक बछडे को ऐंठन आई हो, और इसी तरह से आगे जाता है, और सब उस तरह की बातें।

61 मुझे क्षमा करना, मेरा—मेरा कहने का मतलब यह नहीं था। मुझे क्षमा करे, मेरे कहने का मतलब इस तरह से नहीं था। समझे? मेरा मतलब यह नहीं था। यह इसे परमेश्वर का सेवक नहीं बनायेगा।

62 लेकिन, देखो, उन सब को, मैं... यह बस मेरे मन में आया, देखो। लेकिन खड़े होकर और वे सभी इस तरह से अलग–अलग बातें कहते है, सामने से वकालत करते है... कहते हैं, "अब, नहीं, नहीं तुम यह सही नहीं कह रहे हो। 'आ–मीन।'" मैं एक अच्छी, पुराने पेंटीकोस्टल की सभा को पसंद करता हूं जहां पर परमेश्वर की सामर्थ उतरती है, और आप बस चिल्ला रहे है और जय–जय कार करते है और परमेश्वर की प्रशंसा करते हुए, एक महान समय को बीता रहे है। इसी तरह से है; आत्मा की पकड़ लोगो पर होती है। लेकिन हम... आप एक "आमीन!" को नहीं सुन सकते है अब मुश्किल से ही इसके बाद, यह एक "आ–मीन" है। हालाँकि, यही है जहाँ हम पहुँचते है, आप देखते हैं। ये संगठन कठोर, घमंडी...

63 अब किया... क्या इससे संबंधित कोई भविष्यवाणी थी? आपको कल रात बतायी गयी पौलुस की भविष्यवाणी याद है? "मैं जानता हूं कि मेरे जाने के बाद, फाड़ने वाले भेड़ियें तुम्हारे बीच में घुस जायेंगे, और आपके ही वर्ग के लोग, आपके... ठीक आपकी ही कलीसिया में (वे रोमन कैथोलिक कलीसिया, आ रहे है) तुम्हारे बीच में उठ खड़े होंगे और उनके बाद चेलो को दूर खींच लेंगे।" और पौलुस के बताये हुए भेड़िये, हम देखते हैं, निकुलियन बन गए।

64 फिर से नबी के जरिये से आत्मा को बोलते सुनना, "अंतिम दिनों में भयानक समय आयेगा, क्योंकि मनुष्य अपने खुद के चाहने वाले होंगे, ('मैं डॉक्टर *फलां–और–फलां* हूं, तुम मुझे बताओ इसके विषय में अब क्या है। मैं तुम्हे समझाऊंगा, मैं एक प्रेस्बिटेरियन हूं। हाल्लेलुय्या!' या, 'मैं एक पेंटीकोस्टल हूँ।')।" इससे क्या फर्क पड़ता है, यदि आप स्वभाव से पेंटेकोस्टल नहीं है तो? इसका अनुभव, देखा। जी हाँ, श्रीमान। "मैं असेम्बलीयो से संबंधित हूं।" "मैं चर्च ऑफ गॉड से संबंधित हूं।" खैर... इससे परमेश्वर को क्या फर्क पड़ता है? आपको वहां ऊपर के राज्य से संबंधित होना है, देखो। यह सही है।

65 अब, यदि—यदि आप देखें, तो... ये सारी चीजे बस एक मौज–मस्ती का—का समूह है। अब, यह कहा, "ढीठ, घमण्डी, और परमेश्वर के नहीं वरन सुखविलास ही के चाहने वाले होंगे।" ओह, वे रविवार की रात को कलीसिया नहीं जा सकते जब टेलीविजन पर कुछ अच्छा कार्यक्रम होता है। ओह, मेरे प्रभु! हमेशा वे... यहां तक कि कलीसियाओ की बॉल खेलने की टीमें होती है, और सूप भोज, और क्रिकेट पार्टियां होती हैं, और "और परमेश्वर के नहीं वरन सुखविलास ही के चाहने वाले, क्षमारिहत, दोष लगाने वाले, असंयमी, और उन भले लोगो को तुच्छ जानते है।*ये उन* लोगो को तुच्छ जानते है, देखो। *ये उन* लोगो को तुच्छ जानते है, उन्हें घुटा देते है। और उन लोगो को तुच्छ जानते है जो भले है।

66 ओह, आप कहते हैं, "वे साम्यवादी हैं, भाई।" ओह, नहीं। नहीं, नहीं।

67 "ढीठ, घमण्डी, और परमेश्वर के नहीं वरन सुखविलास ही के चाहने वाले होंगे, क्षमारिहत, दोष लगाने वाले, असंयमी, और उन लोगो को तुच्छ जानते है जो भले है, एक *भेष* को... " साम्प्रदायिक अनुभव, देखो। "वे भक्ति का भेष तो धरते है, पर उस की शक्ति का इंकार करते है।"

68 इस दिन पर आप क्या होंगे? देखो, "भक्ति का भेष तो धरते है।" रविवार को कलीसिया को जाते है जितना आप पवित्र हो सकते हैं, और रविवार की दोपहर को छोटे–छोटे निकरे पहनते है, आंगन पर घास काटना और बाहर ओएर्टेल 92 पर होते है। और पास्टर बाहर जाकर सिगरेट पीता है और वापस आता है, आप जानते हैं। "भक्ति का भेष तो धरते है।"

69 "तो, पास्टर, उनके पास वहां पर एक कलीसिया है, उन्होंने मुझे बताया कि एक महिला को एक दिन चंगाई मिली... "

"हूंम्म। हूंम्म। बेकार की बात! अद्भुत कार्य के दिन बीत गए हैं।"

70 "अच्छा, आप जानते है क्या? मैं—मैं—मैं एक रात को उस एक छोटी सी कलीसिया में था, वह छोटा सा मिशन नीचे कोने पर था, और वहाँ कोई तो था जो वहां जाता था, कुछ तो बोल रहा था, जो–... "

"ओह, प्रिय, तुम कभी भी इस तरह से घूमते मत रहो। यह तो पागल कुत्ता है। ओह! तुम वहां उसके आस–पास जाकर मूर्ख मत बनो। यही वे पवित्र शोर शराबा करने वाले लोग है। तुम कभी नहीं... "

71 "वे भक्ति का भेष तो धरेंगे, पर उस की शक्ति को न मानेंगे, ऐसों से परे रहना। क्योंकि इन्हीं में से वे लोग हैं, जो घरों में दबे पांव घुस आते

हैं और छिछौरी स्त्रियों को वश में कर लेते हैं, सदा सीखती तो रहती हैं पर सत्य की पहिचान तक कभी नहीं पहुंचतीं।" यह बिल्कुल सही है। वहाँ आप हैं, महिलाओं की रक्षा करने वाला समाज, *यह* समाज, *वह*। बेचारी कलीसिया के पास तो बहुत से समाज है कि वे यहां तक ये अब और अधिक सुसमाचार प्रचार नहीं कर सकते है। पास्टर के पास बीस मिनट का भी समय नहीं हो सकता है, और तब उसे लगभग कुछ तो और ही बात करना है। देखा? यदि वे ऐसा नहीं करते हैं, तो डीकन बोर्ड उससे भेंट करेगा। जी हाँ, श्रीमान।

72 ओह, भाई, एक अच्छे पास्टर को आज क्या करना होता है? बस उसे सबसे अच्छा करना है वो वहां खड़ा होकर और उन अंगों को काट सकता हैं जहां वे चाहते हैं, और जहां वे चाहते हैं वहां वो हिस्सा गिरने दें; और वहाँ इस गोफन को मारे। बस ऐसा ही है। जी हाँ, श्रीमान। ये सही है।किसी को मत—मत छोड़ो, बस वचन को प्रचार करो और ठीक इसके साथ बने रहे, बस ठीक हथौड़ा मारते रहो। यदि वे आपको जेल में डालते हैं, तो जेल में इसका प्रचार करो। यदि आपको कहीं और डाल देते हैं, तो आप कहीं भी जाये, प्रचार करे; बस प्रचार को करते रहे। यह सही है। अब, यही है जो हुआ है, देखो, वे इसे घोट कर खत्म कर रहे हैं।

73 अब हम उस—उस स्मुरना युग में आ रहे है। 8 वां पद:

> *... और स्मुरना की कलीसिया के दूत को यह लिख, कि, जो प्रथम और अन्तिम है; जो मर गया था और अब जीवित हो गया है, वह यह कहता है कि;*

74 मैं चाहता हूं कि आप हर बार ध्यान दे कि वह खुद ही एक कलीसिया के युग के लिए परिचय को देता है, वह अपनी दैविकता के विषय में आगे कुछ रखता है। यही वो पहली चीज है जो वह कलीसिया को अवगत कराने की कोशिश करता है, जो, वही उसकी दैविकता है। वह परमेश्वर है! आप यहाँ उस बड़े मुद्दे को देखते हैं जो इरेनीयस और वे इसके विषय में वाद–विवाद कर रहे थे? उन्होंने यह कहने की कोशिश की कि परमेश्वर तीन ब्रह्माण्ड में है, और यह तीन व्यक्तियों में एक परमेश्वर है, और *इसमें* परमेश्वर है। उसने कहा, "ऐसी कोई एक चीज नहीं है! यह एक व्यक्तिव के शीर्षक है, और वह सर्वसामर्थी परमेश्वर है।" ये सही है। तो आप नहीं... उनके पास हमेशा से ही ऐसा था। और परमेश्वर यहाँ आरंभ में खुद को उसकी—

उसकी दैविकताओं में से एक का परिचय दे रहा है। आप देखो कि वह खुद का परिचय दे रहा है, पहला यहाँ पर, "मैं वह हूँ जो था, जो है, और जो आने वाला है। और मैं सर्वसामर्थी हूं।" यहाँ वो ठीक स्मुरना युग में अब आरंभ करता है।

75 अब उसे सुनो, "मैं... "

> ... *स्मुरना की कलीसिया के दूत को...* (और हम विश्वास करते हैं कि इरेनियस होना चाहिए।) *... यह लिख; कि, जो प्रथम और अन्तिम है...*

देखा? स्वयं का परिचय दिया, "अब मैं इस कलीसिया के युग का परमेश्वर हूं। मैं यहाँ चार या पाँच विभिन्न इश्वरो को आसपास नहीं चाहता हूं। मैं—मैं परमेश्वर हूं। देखो, ऐसा ही है।"

> *... जो मर गया था और अब जीवित हो गया है;* (आमीन!)

76 अब, यही वो—वो परिचय है। अब—अब *स्मुरना* का अर्थ "कड़वाहट," होता है और यह लोहबान—लोहबान के शब्द से आया। और वो—वो पहली कलीसिया—पहली कलीसिया, और... उसने उसके पहले प्रेम को खो दिया था, जो इफिसुस कलीसिया थी। और इस कलीसिया ने "एक कड़वाहट की जड़" के साथ आरंभ किया था जो उसमें आ रही थीं क्योंकि ये कलीसिया, जो मुख्य कलीसिया है, इसमें का बड़ा हिस्सा (उनमें से अधिकांश, हमेशा ही) कलीसिया में पवित्र आत्मा के प्रभुता होने के खिलाफ वार कर रहा था, और वे खुद ही प्रभुता को लेना चाहते थे। वे एक याजकगण को बैठाना चाहते थे, वे उसी तरह कार्य को करना चाहते थे जैसे पुराने नियम के लोगों ने किया था। वे याजको को चाहते थे। और वे... यदि वे पागान के देवता, जो वहाँ पहले, जहां वे परिवर्तित हुए थे, उनके पास याजक और इत्यादि थे... जो जुपिटर के, और विनस के याजक, और ऐसे ही इत्यादि; वे—वे—वे उसी चीज को उनमें लाना चाहते थे ताकि *इन* पुरुषों को बनाये। देखो, सारी चीजे आरंभ से ही पागान है। सारे पगानो के पास वे याजक और उसी तरह की चीजें हैं। लेकिन—लेकिन जीवित परमेश्वर की कलीसिया, उसके लिए यह चीजे अयोग्य है। मसीह हमारा याजक, हमारा महायाजक है। हमारे पास एक महायाजक है, एक मेज भी है जिस पर से हम खाते हैं।

77 अब, इस कलीसिया ने "कड़वाहट की जड़" को उत्पन्न करना आरंभ कर दिया था। क्यों? यह उन लोगों के खिलाफ कड़वाहट थी जो आगे पवित्र आत्मा के साथ आगे जारी रखना चाहते थे। प्रेम धुंधला होने लगा था, और वे संस्था और सम्प्रदायों से इसे अदला–बदली करने की रही कोशिश कर रहे थे, पवित्र आत्मा की अगुवाही से दूर हो रहे थे। इस पर सोचे! यही कारण है कि वो—वो—वो कड़वाहट उन में थी। तो ठीक है।

78 अब, पहली कलीसिया, यह... कड़वाहट अंदर रेंगना आरंभ हुई। दूसरी कलीसिया, थोड़ा और। और, अंत में, यह रेंग कर सीधे अंदर आ गयी क्योंकि वे "एक बेहतर कलीसिया बना रहे थे"; उन्होंने सोचा कि वे कर रहे थे। ठीक यहाँ उन्होंने कुछ तो प्रतिष्ठित किया था, बड़े–बड़े रोमन लोग अंदर आ सकते थे। क्यों? उनके पास एक पोप था, उनके—उनके पास वे बड़े–बड़े पुरुष थे, कार्डिनल्स, और इत्यादि। उन्होंने अच्छे कपड़े पहने। वे सारे शोर–शोरबे से दूर रहते और जो कुछ भी उनके पास था; बहुत ही शांत। ऐसा दिखा कि वे मर रहे है। हूं–हुंह। हूं–हुंह। वे मर रहे थे। और इसलिए वे प्रतिष्ठित हो गए और उन्होंने एक बेहतर समिति (देह) को बनाया। पहली बात जो वहां पर थी, उनके पास एक बड़ी कलीसिया संबंधित संप्रदाय में सारी चीज थी, रोमन यूनिवर्सल कलीसिया, रोमन कैथोलिक कलीसिया इस अंधकार के युग में। खैर, तब, उनके पास ऊँचे पद के लोग थे, और उनके पास वर्ग था।

79 ओह, यह उसकी तुलना में ज्यादा आकर्षण थे जब वे हमेशा ही सड़क पर बाहर खड़े रहते थे, "और वे बकरीयों की खाल ओढ़े, जैसे भेडो की खाल ओढे, और बेसहारा, और भिन्न दिखे, और—और उस पर हँसा गया, और उनका मज़ाक उड़ाया गया," और जैसे पौलुस ने इब्रानियों 11 अध्याय में कहा।

80 क्योंकि, ये विशाल, बडी, अच्छे वस्त्र पहनी हुयी कलीसिया, अंदर पेटीकोट के साथ, और—और यह सारी अन्य चीजो को जिस पर इस तरह से पहनते हैं। यकीनन, यह सम्मानजनक दिखता, "फादर, आदरणीय, डॉक्टर, फादर *फलां—और—फलां*।" ओह, मेरे प्रभु! वे दिखावे के लिए कुछ असली "कुत्ते," रख सकते हैं।

81 लेकिन, आप देखो, यह एक संकरित चीज थी। संकरित! देखो, इसमें कोई भी जीवन नहीं है। और वे अब और वापस नहीं जा सकते है यही वो

कारण है वे कभी भी ऊपर नहीं आते है। लूथरन की बेदारी कभी भी फिर से ऊपर नहीं आई। वेस्ली की बेदारी कभी भी फिर से ऊपर नहीं आई। नासरीन की बेदारी कभी भी फिर से ऊपर नहीं आई। न ही पेंटीकोस्टल बेदारी फिर से ऊपर आई। क्यों? क्योंकि आपने इसे मार डाला। आप इसे संसार के साथ संकरित करते हैं, निकुलियन विचार के साथ, पवित्र आत्मा को उनके रास्ते पर नहीं आने देना है। ये सही है। आप कलीसिया को संकरित करते हैं, और ये खुद को फिर से वापस प्रजनन नहीं करवा सकते है। जब आप वापस प्रजनन करते हैं, तो आपको और अधिक मेथोडिस्ट मिलते हैं; बैपटिस्ट वापस प्रजनन करते हैं, और अधिक बैपटिस्ट मिलते हैं; कैथोलिक वापस प्रजनन करते हैं, और अधिक कैथोलिक मिलते है; आपको वही बात मिलती है आप कान को बंद कर रहे हैं। लेकिन मुझे आपको कुछ तो बताने दो; जब पवित्र आत्मा वापस आता है, ये *नये* जन्म और *नये* जीवन को लाता है; रूपांतरण। आत्मा का बपतिस्मा; कलीसिया को फिर से वापस अपने आप में लाता है, इसमें जीवन को वापस डालता है।

82 संकरित मकई के दाने में जीवन नहीं होता है। ये कौन सा जीवन है, ये बस लगभग जीवन का सार निकल गया है। अब, हम वहां उस अंधकार के युग में पहुँचे है, "जो कुछ थोड़ा आपके पास है, इसे पकड़ कर रखे," उसने कहा। उन्होंने इसे पूरा खींच कर बाहर निकाला था। अब, लेकिन यह फिर से खुद को पुन: उत्पन्न नहीं करेगा। अब...

83 लेकिन यीशु मसीह की देह कोई संगठन नहीं—नहीं है। यीशु मसीह की देह एक रहस्यमयी देह है, यह एक देह है... एक राज्य में यही एक आत्मिक राज्य है जो यीशु मसीह के द्वारा धरती के ऊपर स्थापित करता है इस राज्य का राजा होने के नाते, वो महायाजक इस राज्य में भ्रमण के लिये बलिदानो को चढाता है। वह एक नबी (वो वचन) है जो सत्य का प्रचार करता है और इस राज्य में परमेश्वर का उजियाला लाता है; और वह इस राज्य में दोनों है, नबी, याजक और राजा। और हम इस राज्य में कैसे आते हैं? संप्रदाय के द्वारा? पत्र के द्वारा? हाथ को मिलाने के द्वारा? लेकिन "एक आत्मा के द्वारा हम सभी ने एक देह में बपतिस्मा लिया है" जो यीशु मसीह की रहस्यमयी देह है, और हमने वहां बपतिस्मा लिया हैं, ना ही पानी से, ना ही छिड़काव के द्वारा, ना ही उंडेलने के द्वारा, ना ही किसी भी तरह के पानी के बपतिस्मा के द्वारा, लेकिन "एक आत्मा के द्वारा, पवित्र आत्मा के, हम सभी एक देह में बपतिस्मा लेते है," पहला

कुरिन्थियों 12। जी हाँ, हम इस देह के अंदर एक आत्मा के द्वारा, पवित्र आत्मा का बपतिस्मा लेते है, तब हम मसीह के आलावा किसी भी चीज से संबंधित नहीं होते। आप मसीह के हैं। यह एक परमेश्वर का रहस्यमयी राज्य है जो स्थापित हुआ है, कि हम पवित्र आत्मा के बपतिस्मा के द्वारा अंदर आते है। मैं इसे प्रसंद करता हूं! हुम्म!

वहां पर लगभग हर जगह लोग हैं,
जिनके ह्रदय पूरी तरह आग की ज्वाला पर हैं
उस अग्नि के साथ जो पेंटीकोस्ट पर गिरी थी,
जिसने साफ किया और उन्हें शुद्ध बनाया;
ओह, यह अब मेरे ह्रदय के भीतर जल रहा है,
ओह, उसके नाम की महिमा हो!
मैं बहुत खुश हूं कि मैं कह सकता हूं कि मैं उनमें से एक हूं।

मैं उनमें से एक हूं, मैं उनमें से एक हूं,
मैं बहुत खुश हूं कि मैं कह सकता हूं कि मैं उनमें से एक हूं, हाल्लेलुय्या!
उनमें से एक, मैं उनमें से एक हूं,
अब मैं बहुत खुश हूं कि मैं कह सकता हूं कि मैं उनमें से एक हूं।

भले ही ये लोग हो सकता है ना सीखे हो, (डी.डी.डी. पीएच.डी. देखो।)... हो सकता है ना सीखे हो
या सांसारिक प्रसिद्धि का अभिमान हो,
उन्होंने उनके पूरी तरह से पेंटीकोस्ट को ग्रहण किया है,
यीशु के नाम में बपतिस्मा लिया;
और वे अब बता रहे हैं, पास और दूर तक दोनों,
उसकी सामर्थ अभी भी वही है,
मैं बहुत ही खुश हूं कि मैं कह सकता हूं कि मैं उनमें से एक हूं।

क्या आप खुश नहीं है? जी हाँ, श्रीमान। बस उनमें से एक है। बस ऐसा ही है।

84 मुझे याद है कि मैं वहां मेम्फिस से होकर जा रहा था, वो छोटी सी, बुजुर्ग अश्वेत महिला उसके सिर को वहां पर झुकाये हुए थी। उसने कहा, "सुप्रभात, पास्टर।"

मैंने कहा, "आपको कैसे पता चला कि मैं एक पास्टर हूं? "

उसने कहा, "प्रभु ने मुझे बताया, 'उसका पास्टर वहां नीचे सड़क पर से आ रहा है, एक चमड़े की टोपी पहने हुए, एक सूटकेस को लिए हुए होगा।'" कहा, "मैं जान गयी आप वो ही थे जब मैंने आपको आते देखा।" देखा? ओह, वह उनमें से एक थी। यह सही है! ओह, परमेश्वर कितना भला है!

85 अब मैं कुछ तो विश्वास करता हूं... [भाई ब्रंहम को कुछ लिखकर दिया गया वे उसे पढ़ते है—सम्पा।] "जिस छोटी लड़की के लिए आपने रविवार की रात को प्रार्थना की थी, जो बेडफोर्ड से है, अभी–अभी मृत्यु हो गयी है। यह नहीं... कृपया प्रार्थना करें।" एक छोटी लड़की है जिसके लिए हमने... उन्होंने उसके लिए यहाँ रविवार की रात को प्रार्थना की, जो बेडफोर्ड से है, "अभी–अभी मृत्यु हो चुकी—चुकी है," उन्होंने कहा। आइए प्रार्थना करें:

86 प्रभु यीशु, मैं प्रार्थना करता हूं कि, किसी प्रकार से, किसी भी तरह से, प्रभु, हमारी प्रार्थनाये उस बच्चे के लिए जाने दीजिये। हम उस छोटी सी चीज को आपको सौपते है, हमारे पिता परमेश्वर। और हम उन लोगों के बारे में सोचते हैं जो यहाँ थे और प्रार्थना कर रहे थे और उस छोटी लड़की के लिए मांग रहे थे। हे पिता परमेश्वर, मैं मांगता हूं कि—कि होने पाए यह रिपोर्ट ऐसी ना होगी, पिता; हम नहीं जानते, लेकिन मैं प्रार्थना करता हूं कि आप दया करेंगे और शक्ति को देंगे और वो छोटा सा बालक उठ कर खड़ा हो जाये और परमेश्वर की महिमा के लिए जी उठे। यीशु मसीह के नाम में इसे मांगते है। आमीन। होने पाए प्रभु यीशु असकी आशीषो को जोडे।

87 अब, एक कलीसिया। अब, कलीसिया का नाम उसके चरित्र की प्रकृति से जुड़ा हुआ है। क्या आपने ध्यान दिया *स्मुरना* का अर्थ "कड़वाहट" होता है? और आपने ध्यान दिया अब कलीसिया में से हर एक, यह कलीसिया के नाम का चरित्र के साथ कलीसिया का कुछ तो लेना–देना होता है। मैं

यहाँ कुछ कह सकता था; लेकिन अच्छा होगा नहीं कहूं, क्योंकि आप मुझे गलत समझेंगे। देखा?

88 आपका नाम भी मायने रखता है। आपको शायद यह नहीं पता होगा, लेकिन यह रखता है। ओह, जी हाँ। अब आप कहते हैं, "यह अंक विज्ञान है।" नहीं, ऐसा नहीं है, जब याकूब का जन्म हुआ, तो उन्होंने उसे *याकूब* कहा, जो "छल करने वाला" था; लेकिन जब उसने दूत के साथ मलयुद्ध किया, तो परमेश्वर ने उसका नाम बदलकर *इस्राएल* कर दिया, "एक राजकुमार।" क्या यह सही है? शाऊल जो "तरसुस का शाऊल" था, जो एक बुरा व्यक्ति था; लेकिन, जब वह यीशु के पास आया, तो उसे "पौलुस" बुलाया गया। शिमौन का नाम "शिमौन" था; लेकिन जब वह यीशु के पास आया, तो उसे *पतरस* बुलाया गया, "एक छोटी चट्टान।" ओह, जी हाँ, श्रीमान। वो... आपका नाम जुडा हुआ है जो आप हैं... यह आपके चरित्र के ऊपर एक प्रभाव को डालता है।

89 और इस कलीसिया को स्मुरना कहा जाता था क्योंकि यह मर रही थी। *स्मुरना* का अर्थ है "कड़वाहट।" दूसरे शब्दों में, कड़वाहट की एक जड़ ऊपर आ रही थी और इसे घुटन को दे रही थी, ये लोबान की ओर इसके मार्ग पर थी। यही वो कारण है कि वे लोबान के साथ शरीर का अभिषेक करते हैं, देखो। यह लोबान, लोहबान होता था, एक लेप के रूप में। लोबान का उपयोग शवों को अभिषेक करने के लिए—के लिए किया जाता है, उसके बाद उन्हें लेप लगते है, और इत्यादि। ये मृत्यु के साथ जुडा हुआ है, और कलीसिया मर रही थी।

90 और, ओह, क्या आप आज नहीं देख सकते हैं, दोस्तों, उस महान पेंटीकोस्टल की गतिविधि को जिसके पास कुछ वर्ष पहले जीवन हुआ करता था, क्या आप नहीं देख सकते है इसका अब लोहबान से अभिषेक किया हुआ है? समझे? वही लेप *यहाँ* इस कलीसिया में था जो ठीक नीचे गिर गयी है और इस एक को *यहाँ* नीचे इस का अभिषेक किया जा रहा है; मर रहे हैं क्योंकि वे संप्रदाय संबंधित चिथड़ो की ओर वापस जा रहे हैं, और अपने सफेद वस्त्रो को, जो संतों के है, उतार रहे हैं। वे छोटे–छोटे लोग जो वहां पर खड़े थे, और एक सच्चा पवित्र आत्मा था, उन्होंने अन्य भाषा में बात की, और परमेश्वर को जाहिर किया। और, भाई, वे उतने ही ईमानदार थे और, "पूरी तरह से सच्चे और जैसे वर्णन किये गये" थे। वे—

वे पूरी तरह से सच्चे थे, आप उन पर कहीं भी भरोसा कर सकते थे। अब आप नहीं जानते कि क्या भरोसा करना है और किस पर भरोसा करना है। समझे? वहाँ पर कुछ तो घटित हुआ है। कुछ तो हुआ है। वो क्या है? वे, कड़वाहट की लोहबान से अभिषेक हुए थे। उठ रहे थे। एक...

91 इसका क्या कारण था? एक अंदर आता हैं, वहाँ एक—एक कलीसिया थी, पहली, जो एक प्रमुख परिषद था। तब उन्होंने इसे असेंबलीस ऑफ गॉड कहा। असेंबलीस ऑफ गॉड में से चर्च ऑफ गॉड आया। चर्च ऑफ गॉड से, उसके बाद उन्होंने यहाँ से वहां देखना आरंभ किया, कहते हुए, "तुम असेम्बलीस हो।" दूसरे कहते हैं, "तुम चर्च ऑफ़ गॉड हो।" उसके बाद उसमें से यूनाइटेड पेंटीकोस्टल चर्च ऑफ गॉड आता हैं, किसी मुद्दे को लेकर। और फिर, पहली बात आप जानते हैं, बजाय उजियाले को स्वीकारने के और उसमें चलने के, किसी कारण से, उन्होंने खुद को संगठित कर दिया इतना तक वे उजियाले को स्वीकार नहीं कर सके।

92 अब, जब वो "यीशु मसीह" के नाम में का बपतिस्मा उसे आगे लाया गया बजाये "पिता, पुत्र, और पवित्र आत्मा" के, उस असेंबलीस ऑफ गॉड के अंदर, उन्होंने पहले से ही खुद को लंगर किया था सो वे इसे बदल न सकें। और वे जानते हैं कि यह सच्चाई है! मैं उनमें से किसी को भी चुनौती देता हूं कि यह दिखाए क्या यह बाइबिल के अनुसार सही नहीं है। यह बिल्कुल सच्चाई है। लेकिन वे क्या कर सकते हैं? वे ऐसा नहीं कर सकते। देखो, वे उनके संप्रदाय को टुकड़े–टुकड़े कर देंगे, वे नहीं कर सकते।

93 फिर वननेस ने क्या किया है? इसे स्वीकार करने और आगे बढ़ने के बजाय, वे रूखे हो गए: "परमेश्वर हमेशा ही धन्य है! हमारे पास उजियाला है, और तुम्हारे पास नहीं है। हम... " वे क्या करते हैं? उन्होंने इसे संगठित कर दिया। आप परमेश्वर को संगठित नहीं कर सकते है। यहाँ तक परमेश्वर भी बिना आकार के है, बाइबिल ने कहा। नहीं, परमेश्वर के विषय में कुछ भी रूपात्मक नहीं है।

94 अब, तब असेम्बलीस ने उसे संगठित करने की कोशिश की और उन्हें... उनके... उसे—उसे—उसे सच्ची कलीसिया बनाने की कोशिश की। और फिर वहां साथ ही वननेस आ गया, उन्होंने उनको संगठित करने की कोशिश की, और उनके पास "अब और उजियाला नहीं था।"

तो वे क्या करते हैं? उन्होंने इसे अपने खुद के स्वार्थ के द्वारा इसे बाहर कर दिया, उन्होंने इसके विषय में कड़वाहट के रास्ते को लिया। नमकीनपन और मिठास से इसे बाँटने के बजाय, उन्होंने दुसरो से संगति को तोड़ने की कोशिश की, उसके साथ कोई लेना देना नहीं। और इसे ऐसा ही किया गया। उसके बाद, यह आगे फैलने लगा था। पहली बात जो आप जानते हैं, एक और ऊपर आया, उन्हें *यह* मिला, और अब वे टूकड़े हो गए है। एक ने कहा, "वह एक सफेद घोड़े पर आ रहा है।" दुसरा एक कहता है, "वह एक सफेद बादल पर आ रहा है। परमेश्वर धन्य हो, मैं यहां पर से एक संगठन को आरंभ करूंगा।" देखा वे किस तरह से करते हैं? इसने लोहबान—लोहबान को फैलाया। इसने क्या किया? इसने भाईचारे को तोड़ दिया।

95 बहुत से स्त्री, पुरुष, आज रात, असेंबलीस ऑफ गॉड में, यीशु मसीह के नाम में आकर और बपतिस्मा लेना पसंद करेंगे, यह जानते हुए कि यही परमेश्वर का सत्य है। उन्हें बहिष्कृत कर दिया जायेगा यदि उन्होंने ऐसा किया तो।

96 और बहुत से वननेस वाले... अब, मैं वननेस नहीं हूं। मैं "वननेस" में विश्वास नहीं करता हूं जिस तरह से वे करते हैं। मैं उस तरह से *यीशु* पर विश्वास नहीं करता, जैसे वे कहेंगे, "*यीशु*"; वहाँ पर बहुत से यीशु है। यह *प्रभु यीशु मसीह* है। ये सही है। अब, और मैं नहीं... जो वे विश्वास करते हैं मेरा विश्वास उससे अलग है। वे यीशु के नाम में बपतिस्मा देते है, नए जन्म के लिए यीशु के नाम में, जो "बपतिस्मा दिया जा रहा है (नए जन्म का) जो आपके पानी के बपतिस्मा के लिए आपके अंदर मसीह को लाता है।" मैं ऐसा विश्वास नहीं करता हूं। मेरा विश्वास है कि पवित्र आत्मा के जरिये से यीशु मसीह के लहू के द्वारा नया जन्म आता है। ये सही है। बपतिस्मा केवल एक बाहरी रूप से किया गया कार्य है जो अंदरूनी रूप से जन्म का कार्य, जो किया जा चूका है। देखा? इसलिए, मैं इससे सहमत नहीं हूं। यह सब ठीक बात है, लेकिन वे सारे मेरे भाई लोग हैं।

97 जब मैंने पहली बार एक बैपटिस्ट प्रचारक के नाई आरंभ किया, वे मेरे पास आकर और कहते, "भाई ब्रंहम, आप यहाँ पर आइए, हम—हम—हम इसे समझ गए और हमने इसका यहाँ पर पालन किया है।"

98 मैंने कहा, "न तो तुममें से एक ने भी, मैं ठीक दो झुंडो के बीच खड़ा होकर और कहता हूं, 'हम आपस में भाई हैं!'" मैं परवाह नहीं करता क्या, यदि कोई मनुष्य असहमत होता है, तो मुझे रति भर का भी फर्क नहीं पड़ता, वो अब भी मेरा भाई है।

99 मेरा एक भाई है जो एप्पल पाई को पसंद करता है; मुझे चेरी सबसे अच्छी लगती है, लेकिन मैं उसके साथ संगती करना नहीं छोडूंगा। वह अपनी एप्पल पाई को खा सकता है और मैं अपनी चेरी पाई को खा सकता हूं। और मैं मेरे पाई पर *बछड़े के सार* को छिडकता हूं, यदि वो नहीं चाहता है तो, इसलिये, वो इसे ले सकता है। आप यह जानते होंगे... यह क्या है? मीठा किया हुए पदार्थ वे उस पर डालते हैं, आप जानते होंगे, "मीठी क्रीम।" मुझे यह पसंद है। अब बहुत बुढा हो रहा हूं इसे खाकर, लेकिन यह एक... लेकिन मैं—मै—मैं... मुझे यही पसंद है। यदि वह इसे पसंद नहीं करता है तो वो इसे नहीं खायेगा। कोई बात नहीं। मैं अपनी खाऊंगा। लेकिन वह अब भी मेरा भाई है! यह सही बात है।

100 और इसलिए मैं—मैं इसे पसंद करता हूं, मैं एक संगती को पसंद करता हूं। लेकिन जब हम इस तरह की लकीरों को खींचते है, और कहते हैं, "नहीं, यह *हमारी* संप्रदाय है," और वहां पर पहुँचकर और अगले व्यक्ति के साथ हाथ नहीं मिलाते है, और कहे, "परमेश्वर आपको आशीष दे, भाई!" मेरे प्रभु! यही है जब आप इसे संगती कहते है। यदि आप नहीं करते हैं, तो आप उस कड़वाहट की जड़ को लेते है बस उसी तरह जैसे स्मुरना के लोगो के पास वहां पहले थी और आप का अभिप्राय उसी बात से है। तो ठीक है, इसलिए उनका नाम "कड़वाहट" था।

101 निकुलियन ने अंधकार के युगो तक उनको बाहर ही रोके रखा। लूथर के युग ने अनुग्रह के उस पहले कदम को बाहर लाया, एक छोटा सा उजियाला चमकना आरंभ होता है। फिर उसके बाद आगे आता है, पवित्रीकरण के साथ जॉन वेस्ली आता है, थोड़ा और उजियाला बढ़ गया। और उसके बाद पेंटीकोस्टल के साथ पवित्र आत्मा का बपतिस्मा आता है, जो फिर से पिताओं के विश्वास की ओर वापस ला रहा है। लेकिन वे इसे इसी प्रकार से नहीं रख सके, इस लिए उन्हें इसे संगठित करना था, और तब उन्होंने ठीक निकुलियन में फिर से आरंभ कर दिया। बिल्कुल वैसे ही जो बाइबिल ने कहा कि वे ऐसा करते हैं।

102 अब, मुझे यहाँ देखना होगा या मैं इसे लूंगा... बहुत ज्यादा को समय ले लिया। आइये 2 रे पद को लेते है, या... जो 8 वा, 9 वा पद होगा। तो ठीक है, अब सतावट, 9 वा पद:

> *मैं तेरे कामो को जानता हूं,* तेरे क्लेश को... *दरिद्रता को, (लेकिन तू धनी है)*... (ओह, मेरे प्रभु!)... *मैं*... (अब वह कलीसिया से बात कर रहा है, सच्ची कलीसिया से, दूसरों से नहीं, उन्होंने नीकुलइयों के उन कामों से नफरत की।) *... और जो लोग अपने आप को यहूदी कहते हैं और हैं नहीं, पर शैतान का आराधनालय हैं, उन की निन्दा को भी जानता हूं।*

103 अब, वे शिकायत कर रहे थे। वे गरीबी से त्रस्त थे। वे... उन्होंने सब उनके पास से ले लिया था जो कुछ उनके पास था। उन्होंने इस तरह से उनकी छोटी कलीसिया का निर्माण किया था, और ऐसा हुआ था कि वे इतने छोटे झुण्ड में थे, उन्होंने उन्हें बाहर निकाल दिया था, बडी कलीसिया ने तब उन्हें बाहर निकाल दिया था। और इसने कहा, "मैं जानता हूं, मैं जानता हूं तुम्हे वहां कोने पर मिलना होगा, तुम्हे गली में का मिलना होगा, या कहीं भी जो तुम मिल सकते हो।" (और मैं वहां तलघर में रहा हूं, जहाँ उन्हें मिलना होता है; वहाँ तलघर के नीचे जाकर और मिलना होता है, और जो वहां चीजे होती है।) "मैं तुम्हारे क्लेश को जानता हूं, और मैं तुम्हारी परेशानीयों को जानता हूं, और इसी तरह से इत्यादि, लेकिन उन क्लेशों में से होते हुए तुम्हे धनी बनाया गया है।" ओह, मेरे प्रभु! मुझे बताओ कि किसी भी समय कलीसिया पर एक सतावट आती है, तो यह इसे मजबूत बनाती है। ये हमेशा ही क्लेशों में होते हुए कलीसिया को मजबूत करती है। "मैं तुम्हारे क्लेशो को जानता हूं, लेकिन तुम धनी हो।" क्यों? "तुम मुझे थामे रहे हो, तुम धनी हो। लेकिन तुम्हारे क्लेश तुम्हे नुकसान नहीं पहुँचाते हैं।"

104 अब, वो... क्या आपने ध्यान दिया? निकुलियन को अब खुद के लिए एक आराधनालय मिल गया था। बाइबिल ने यहां ऐसा कहा। क्या आपने इसे यहाँ 9 वे पद में देखा है?

> जहाँ... *जो... नहीं, लेकिन शैतान का आराधनालय हैं।*

105 उह–हुह, सच्ची कलीसिया को बाहर कर दिया गया था। नीकुलइयों ने अधिकार को ले लिया था, और... उन्होंने लोगो को धक्का देकर निकाला

जिनके पास पवित्र आत्मा था, तो इसलिए उनका—उनका उनके लिए कोई उपयोग नहीं था। यदि स्मुरना, एशिया में, वे केवल जानते थे कि वे चीजें... कि शहीदो का मुकुट उनके लिए रुका हुआ होगा, उन्हें हिला कर रख दिया होता। देखा? अब, दुसरे शब्दों में, क्या... जब यह भविष्यवाणी लिखी गयी थी और इसे आगे भेजा, और कलीसिया ने इसे थामे रखा, और उन्होंने देखा कि वे ही वे लोग है जिन्हें शहीदो का मुकुट पहनाया जायेगा, क्योंकि, वे होगे... क्यों, इसने उन्हें मौत से डरा दिया है। वे इसके लिए हर समय से प्रतीक्षा कर रहे थे। उनके युग में नहीं आया था। तो हो सकता है उनमें से कुछ लोगो ने कहा, "ठीक है, आप जानते हैं—आप जानते हैं, मैं तुम्हे बताता हूं, कि नबी गलत था। यूहन्ना गलत था, वह—वह... क्योंकि यह हमारे लिए यहाँ स्मुरना में नहीं हुआ।" क्योंकि, यह सैकड़ों वर्ष बाद होना था। समझे? लेकिन जब परमेश्वर कुछ भी बोलता है, तो इसे पूरा होना है।

106 यही है जहाँ हम अपने विश्वास को ठीक परमेश्वर के वचन पर डुबाते है। परमेश्वर हर एक प्रतिज्ञा को रखता हैं। कोई फर्क नहीं पड़ता... आप हो सकता है सोचे कि इसे यहीं होना है, लेकिन हो सकता है ऐसा घटित होने के लिए परमेश्वर का वो समय नहीं है। "लेकिन मेरा वचन मेरे पास व्यर्थ नहीं लौटेगा, लेकिन जिस उद्धेश के लिए ये था वो पूरा होगा।" परमेश्वर हमेशा ही उसके वचन का आदर करता है, और ये अपने खुद के अच्छे समय पर इसकी कटनी की जायेगी।

107 सो यही वे लोग थे, वो पहली कलीसिया, लेकिन उस कलीसिया के विशेष गुण थे जो बाद में स्मुरना कलीसिया में बाहर आये। अब, तब उन्हें शहीद का ताज पहनना था, उनमें से बहुतो को मार दिया जाना था।

108 अब आइये उस—उस 10 वे पद को लेते हैं, जैसा कि हम इसे पढ़ते हैं:

> उन *बातों से मत डर* (जो शैतान का आराधनालय है) *जो दुःख तुझ को झेलने* होंगे: *क्योंकि देखो, शैतान... तुम में से कितनों को जेलखाने में डालने पर है ताकि तुम परखे जाओ;* और तुम्हें *दस दिन तक क्लेश उठाना होगा: प्राण देने तक विश्वासी रह; तो मैं तुझे जीवन का मुकुट दूंगा।*

109 ओह, मेरे प्रभु! उन्हें कहा गया कि उन्हें डरने की जरूरत नहीं है जब उन्हें उनके—उनके धर्म के लिए मर जाने के लिए बुलाया गया हैं। अब, बहन वुड, आप जहां भी हैं, मैं आशा करता हूं कि इससे आपको मदद मिलेगी। बहन वुड एक दिन मुझे बता रही थी, वह शायद इस बात को समझ नहीं पा रही थी कि क्यों कुछ ही लोगो को छुड़ाया जा सका और अन्य लोगो को नहीं। कभी–कभी आपको यह जानना पड़ता है... परमेश्वर ने इन लोगों से कहा, "अब, तुम इस विषय में मत डरना, क्योंकि शैतान तुम्हे वहां बाहर निकालने जा रहा है, क्योंकि यह निकुलियन का संसथान है जो आकर और इसमें दबाव को डालते है, क्योंकि मैं तुम्हे मेरे खातिर मरने दूंगा। लेकिन मैं तुम्हे उस दिन पर जीवन का मुकुट दूंगा।" तो नहीं...

110 अब देखो, उसने कहा... अब, यदि आप ध्यान दे जैसा कि हम इस 10 वें पद को पढ़ते है। मुझे इसे फिर से पढ़ने दें:

> *जो दुःख तुझ को झेलने* होंगे, उन *से मत डर*: *क्योंकि देखो, शैतान तुम में से कितनों को जेलखाने में डालने पर है ताकि तुम परखे जाओ; और तुम्हें दस दिन तक क्लेश उठाना होगा:* लेकिन *तब तक विश्वासी बना रह*... (आपने ध्यान दिया कि तब तक? ना ही मृत्यु तक, लेकिन मृत्यु "*होने तक*।" आप... आपने इसे समझा?) ... *प्राण देने तक विश्वासी रह*... (समझे? और उन्होंने किया था।)

111 अब उसने कहा, शैतान... आपने ध्यान दिया वह जिसे—वह जिसे वर्ग में रखा गया उस एक के नाई जो इसे कर रहा था? अब, यह *शैतान का आराधनालय* "नीकुलिइयों" था। हम यह जानते हैं। क्या ऐसा नहीं था? तो यह एक संगठन था, एक याजकगण जो ऊपर आ रहा था जो इन लोगों को कष्ट देगा, जो इन लोगों को कष्ट देगा, और वे सुसमाचार के प्रति वफादार बने हुए थे, मृत्यु *होने तक*। क्या आपने विवाह के समारोह में ध्यान दिया? ना ही *जब तक* मृत्यु नहीं आती हम भागीदार है, लेकिन "मृत्यु *होने तक* हम भागीदार है।" समझे? अब, *होने तक* और *जब तक* भिन्न है। अब, उन्हें मसीह के प्रति वफादार होना था मृत्यु होने तक। "इसके साथ ठीक मृत्यु तक चले जाओ। डर मत, क्योंकि मैं तुम्हे एक मुकुट को दूंगा।"

112 अब यह "दस दिन" कि वे यहाँ पर बात करते हैं, दस दिन। बाइबल में एक दिन एक वर्ष को प्रतिनिधित्व करता है। और *दस दिन* ये बीते डी–आई–ओ–सी–एल–ई–टी–ए–एन, डायोक्लेटियन के शासनकाल के अंतिम "दस वर्ष" थे। डायोक्लेटियन। डायोक्लेटियन डायोक्लेटियन वह बड़ा सम्राट था जिसने अंतिम शासन किया था... तो ठीक है, इफिसियन कलीसिया के युग के दौरान बहुत से सम्राटो ने शासन किया। और नीरो, मैं सोचता हूं कि वो एक था। और ये यहाँ पर डायोक्लेटियन वो एक अंतिम है जिसने शासन किया, अंतिम के दस वर्ष में, और वह उन सभी में से सबसे खूनी सताने वाला था। वह केवल इस समूह के साथ पक्ष में रहता और उन्होंने—उन्होंने मसीहो की हत्या कर दी, और उन्हें मार डाला, उन्होंने उन्हें जला दिया, उन्होंने—उन्होंने हर एक चीज को किया था, और यह दस वर्ष सबसे खूनी सतावट के वर्ष थे। और उसका समय और उसका शासनकाल 302 से 312 तक था। इसने स्मुरना युग को समाप्त किया था, कॉन्स्टेंटाइन के आदेश को जारी करने के साथ। और वह 312 पर आता है, कॉन्स्टेंटाइन ने ऐसा किया। वह क्लेश के दस दिन थे। और ये नीरो के साथ आरंभ हुआ और डायोक्लेटियन के साथ समाप्त हुआ। और यह नीरो में आरंभ हुआ, जो लगभग ए. डी. 64 था जब नीरो सिंहासन पर बैठा।

113 अब, 11 वां पद, एक प्रतिज्ञा है। अब हम इसे बंद करने से पहले लेंगे:

> *जिस के कान हों, वह सुन ले कि आत्मा कलीसियाओं से क्या कहता है: जो जय पाए, उस को दूसरी मृत्यु से हानि न पहुंचेगी।*

114 अब, मेरे पास यहाँ कुछ कहने के लिए है, यह आदेश है... यदि मैं ऐसा सोचता हूं, मेरे हृदय में, और इसे नहीं कहता हूं, तो मैं एक ढोंगी हूं। देखा? मैं चाहता हूं कि आप ध्यान दे जो इस वचन में यहां कुछ तो है, और मुझे लगता है कि यह मेरे लिए लम्बे समय तक सबसे बड़ी पहेली में से एक था जब तक मुझे मिल नहीं गया। आइये अब इसे बहुत ही नजदीक से अभी पढ़ते हैं। समझे?

> *जिस के कान हों...* (दूसरे शब्दों में, "सुनने के लिए कान हो"; देखें, यह "आत्मा के लिए खोले।") *... वह सुन ले कि आत्मा कलीसियाओं से क्या कहता है...*

अब देखिए, इसी बात को, यह सतावट और हर एक चीज आती है। इसका हर एक भाग हर कलीसिया में उसके ऊपर साथ–साथ आगे जाता है। वो *कलीसियाये*।

> ... *आत्मा कलीसियाओं से क्या* कहता है; *जो जय पाए*... (कौन सी कलीसिया? इफिसुस की? जी हाँ। तो ठीक है। स्मुरना? जी हां, उन में सभी को।) ... *जो* जय पाए सभी कलीसियाओ में *उस को दूसरी मृत्यु से हानि न पहुंचेगी।*

115 वह जो लौदिकिया कलीसिया में है वो किस पर जय को पाता है? निकुलियनो पर जय को पाता है, संसार की चीजों पर जय पाता है, इन संप्रदायों पर जय पाता है, इन याजकगणों पर जय पाता है, संसार की हर चीज पर जय पाता है और बेच देता है, और मसीह से प्रेम करता है। तुम्हारी दूसरी मृत्यु से कोई हानि नहीं होंगी। क्यों? उसे अनन्त जीवन मिला है। अनन्त जीवन मर नहीं सकता। यीशु ने कहा, "वो जो मुझ से सुनता है, उसमें अनन्त जीवन है, वह कभी नहीं मरेगा। मैं उसे अंतिम दिन में उठ खड़ा करूँगा।"

116 अब, अब, वहाँ... अब, आप... बहुत से लोग इसके साथ असहमत होंगे, लेकिन मैं चाहता हूं कि आप बहुत ही गहराई से सोचे इससे पहले आप अपने निर्णय को ले। समझे? मैं अब कुछ तो कहने जा रहा हूं:

117 यही कारण है कि मैं विश्वास नहीं करता कि वहां एक अनन्त नरक है। वहाँ एक अनन्त नरक नहीं हो सकता है। क्योंकि यदि वहाँ कभी एक अनन्त नरक था, तब हमेशा ही एक अनन्त नरक होता था, क्योंकि अनन्त... अनंत जीवन का केवल एक रूप है, और यही है जिसके लिए हम सब प्रयास कर रहे हैं। और आप हमेशा के लिए जलेंगे और अनंत काल के लिए, तब तो आपके पास अनन्त जीवन का जलना होगा, और फिर तो ऐसा था परमेश्वर का जलना होगा। आपके पास अनन्त नरक नहीं हो सकता है, और बाइबल स्पष्ट रूप से कहता है कि "नरक की सृष्टि की गयी थी।" और यदि इसकी सृष्टि की गयी है, तो यह अनन्त नहीं है। जो कुछ भी अनन्त है कभी भी सृष्टि नहीं की गयी; यह हमेशा से था, यह अनन्त है। और बाइबल यह कहता है "नर्क को शैतान और उसके दूतों के लिए सृष्टि किया गया था।" नरक की सृष्टि की गयी थी, यह अनन्त नहीं है। और मैं विश्वास नहीं करता कि एक व्यक्ति को अनंत काल के लिए दंडित किया जाएगा।

118 मैं यह विश्वास करता हूं कि बाइबल स्पष्ट रूप से यहाँ बताता है, कि, "वह जो जय पाता है, उसकी दूसरी मृत्यु से हानि नहीं होगी।" अब "मृत्यु।" वो *मृत्यु*... यह शब्द "अलगाव" से आता है। अब, जब हम परमेश्वर से अलग हो जाते हैं, पाप में, हम मर चुके होते हैं; बाइबिल ऐसा कहता है। हम परमेश्वर से अलग हो गए हैं, हम वंचित हो गए हैं, हम पाप और अपराधो में मर चुके हैं; हम परमेश्वर के लिए और उसके गणराज्य के लिए एक परदेशी हैं। और फिर जब हम परमेश्वर को पा लेते है और हमारे पास अनन्त जीवन होता है, हम उसकी संतान और उसका एक भाग होते हैं।

119 वहां मेरा छोटा बेटा, जोसेफ, मेरा एक भाग है, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि मैं... वह जो भी करे। वह... मैं हो सकता है... हो सकता है वो नहीं... यदि मैं एक बड़ा धनवान व्यक्ति होता था और मेरे पास बहुत सी विरासत होती थी, वह हो सकता है, वह यहाँ तक हर किसी चीज का उत्तराधिकारी होता है; लेकिन अब भी वो एक पुत्र है, वह मेरा भाग है। यक़ीनन, वह मेरा भाग है। अब, मैं कभी भी उसका इंकार नहीं सकता हूं तब तो मैं खुद का इंकार कर सकता हूं, क्योंकि वह मेरा भाग है। लहू के परीक्षण से पता चलता है कि वह मेरा है। देखा?

120 और लहू के परीक्षण से पता चलता है कि आप परमेश्वर के हैं या नहीं। समझे? आप परमेश्वर की संतान हो और आपके पास अनन्त जीवन होता है। लेकिन जो प्राण पाप करता है, वह *प्राण* अलग किया जाएगा। क्या यह सही है? तो यह अब और नहीं रहेगा। अब देखिए। कुछ भी जिसकी एक शुरुआत थी उसका एक अंत है क्योंकि कोई भी चीज जिसकी एक शुरुआत है उसकी एक सृष्टि हुई है। लेकिन परमेश्वर की सृष्टि नहीं की गयी थी, वह हमेशा ही परमेश्वर था। वहाँ ऐसा कोई स्थान नहीं है कि उसकी सृष्टि हुई थी। और केवल एक ही जरिया है कि हमारे पास कभी अनन्त जीवन हो सकता है वो ये है कि हमें उस सृष्टि का भाग बनना है। महिमा! ओह, यदि हम इसे देख सकते थे! देखा कि पवित्र आत्मा आपके लिए क्या करता है? यह पवित्र आत्मा है, सृष्टिकर्ता, वो खुद, परमेश्वर वो पिता एक आत्मा के रूप में है, जिसे "पवित्र आत्मा" कहा जाता है क्योंकि यह देह पर था जिसे यीशु कहा गया, उसका पुत्र; कि उसने यीशु की सृष्टि की, यही वो कारण है इसे मरना पड़ा था। परमेश्वर ने मनुष्य के देह में वास किया, और लहू की कोशिका फुट निकली, और लहू की कोशिका से जीवन वापस आ गया।

121 यही वो कारण है कि वे पुराने नियम में पुराने आराधना करने वाले वे दूर नहीं जा सकते... वह उसी निंदा के साथ चला गया जो उसके पास थी, जब वह आया। लेकिन नए नियम में, इब्रानियों में कहा कि, "आराधना करने वाले एक ही बार शुद्ध हो जाते, तो फिर उन का विवेक उन्हें पापी न ठहराता।"

122 अब, पुराने नियम में, उन्होंने एक मेमने को लाया, उसने इसे नीचे रखा, उसके ऊपर हाथ को रखा, वो आराधना करने वाले; याजक गले को काटता है, वह लहू के बहने को महसूस करता है, और इसके मिमियाने को सुनता है। और ये मर जाता है, और वह महसूस करता है, उसका छोटा सा शरीर ठोस हो चूका है, और यह मर चुका होता था। वह जानता था कि ऐसा उसे होना चाहिए था; मेमने ने उसका स्थान लिया है। याजक लहू को लेता है, इसे वेदी पर रखता है, और—और धुआं ऊपर की ओर जाता है, और ये एक क्षमा की प्रार्थना थी उसके लिए... [टेप पर खाली स्थान—सम्पा।] ... और उस जानवर का जीवन एक मनुष्य के ऊपर आकर और मनुष्य की आत्मा के साथ मेल नहीं खा सकता है, क्योंकि यह जानवर की आत्मा है। जानवर का जीवन और मनुष्य का जीवन, ये इसे नहीं कर सका। लेकिन जब एक... यही वो कारण है कि वह वही पाप करने की उसी इच्छा के साथ बाहर निकल जाता है, वही चीज को करता है। व्यभिचार करने पर वो अंदर आता है, और उसके बलिदान को भेंट करता है, और उसी बात को उसके मन में लेकर वापस बाहर जाता है। यह सही बात है।

123 लेकिन यहाँ जब आराधना करने वाले... ओह, चर्च ऑफ़ गॉड, इस बात को लेने से चूकना मत! वो आराधना करने वाले, एक बार सही मायने में परमेश्वर का पुत्र चलकर जाता है और विश्वास के द्वारा उस पर अपने हाथ को रखता है (ओह, मेरे प्रभु!), वहां उसके चेहरे की ओर देखता है वो थूक उसके चेहरे पर लटक रही होती है, लहू उसके चेहरे पर से नीचे बह रहा होता है, दर्द को महसूस करते हुए, "मेरे परमेश्वर! मेरे परमेश्वर! तूने मुझे क्यों छोड़ दिया?" ओह, भाई, जब आप देखते हैं कि आपके लिए क्या ही वो दाम आपके लिए मरा, और ये कौन था, इम्मेनुएल, परमेश्वर आपके स्थान पर मर रहा हैं।

124 उसके बाद क्या होता है? तब आराधना करने वाले, जब वो लहू की कोशिका उस परमेश्वर के पुत्र के अंदर फुट निकलती है... उस लहू की

कोशिका ने क्या बनाया?

125 आप क्या हैं? आप एक छोटी कोशिका हो जो आपके पिता से आती है। स्त्री के पास हीमोग्लोबिन नहीं होता है। वो—वो स्त्री केवल अंडे का उत्पादन करती है; अंडे सेने की मशीन, उसे तो वो—वो—वो अंडे को सेनकर तैयार करना होता है। लेकिन लहू पुरुष से आता है, यही वो कारण है कि वो—वो बालक पिता के नाम को लेता है। और फिर, लेकिन, एक पुरुष से विवाह करने वाली महिला, उसके नाम को लेती है, बच्चो के कारण; वह बालक के लिए अंडे सेने की मशीन बनती है जो वह उस पुरुष के लिए जन्म देगी। लेकिन जैसा कि मैंने कहा: एक मुर्गी एक अंडे को दे सकती है, लेकिन यदि वह किसी नर पक्षी के साथ नहीं रही है, इस अंडे में से बच्चे नहीं निकलेंगे।

126 यही है, मैंने कहा, यही वो कारण है कि आज हमारे पास बहुत सी पुरानी, ठंडी, औपचारिक कलीसियाये हैं। वे इन निकुलियन के विचार पर चले गए है, उनके पास सड़े हुए अंडो से भरे हुये घोंसलो का एक झुण्ड है, और वे अंडे कभी भी बच्चे नहीं सिचेंगे क्योंकि वे कभी नहीं... आप उनसे कुछ भी कर सकते हैं (उन्हें बिशप, डीकन, और जो कुछ भी सब कहे), वे कभी भी विश्वासीयो के पीछे–पीछे जाने वाले चिन्हों पर विश्वास नहीं करेंगे, क्योंकि वे कभी भी नर के साथ नहीं रहे है, यीशु मसीह। यदि आप कभी भी उस परमेश्वर की सामर्थ के उस नर के साथ गर्भाधान हुए है...

127 जब वो लहू की कोशिका वहाँ उस क्रूस पर फुट निकली थी, और वो जीवन है जो उसमें था, नन्हा सा यहोवा... ओह, ये असाधारण सा लगेगा!

128 आप जानते हैं, हर एक जन एक चिन्ह के लिए देख रहा है। क्या वे नहीं देख रहे हैं? हर कोई कहता है, "ओह, मुझे एक चिन्ह को दिखाये।" यहूदी ने कहा, "मुझे एक चिन्ह को दिखाये।"

129 मुझे आपको एक चिन्ह देने दो। परमेश्वर ने आपको एक बार चिन्ह दिया। उन्होंने एक चिन्ह को मांगा। इस्राएल ने एक चिन्ह को माँगा। उसने नबी को बताया, "मैं तुम्हे एक सनातन का चिन्ह दूंगा: एक कुंवारी गर्भवती होगी। एक कुंवारी गर्भवती होगी और एक पुत्र को जनेगी।" (आमीन।) "उसे *इम्मानुअल* कहा जाएगा, 'परमेश्वर हमारे साथ।'" अब तक का सबसे बड़ा चिन्ह जो कभी दिया गया था।

130 जब परमेश्वर जो आकाश और धरती का सृष्टिकर्ता है, सौरमंडल को बनाया। वहां माउंट पोलामोर पर खड़े होकर और उस दायरे में से होते हुए उस ओर देखे, और आप एक सौ बीस लाख वर्षों के अंतरिक्ष के प्रकाश को देख सकते है। वहां उस मीलो को पार करते हुए, और उस पार अभी भी चाँद है, और तारे, और दुनिया है, और उसने उन सब को बनाया। बस उन्हें अपने हाथों से *इस* तरह से फैलाया। जी हाँ!

131 और वह महान सृष्टिकर्ता मेरा उद्धारकर्ता बन गया। एक छोटे से लहू की कोशिका में नीचे आता है, ना ही एक पुरुष के जरिये से, लेकिन एक महिला में कुंवारी के पास आता है; और इस छोटे से पराग को महिला से लेता है, और खुद के लिए एक छोटे से घर को बनाता है और उसमें रहने लगता है। ओह, ये—ये—ये असाधारण सा लगेगा! यहोवा! यहोवा, खलिहान में खाद के ढेर के ऊपर, रोता हुआ। यहोवा, भूसे की एक चरनी में। यह एक सनातन का चिन्ह है, इनमें से कुछ बड़े सिर वाले लोग हैं! यहोवा, परमेश्वर, एक रोता हुआ बालक (हाल्लेलुय्या!) एक बदबूदार चरनी में। और फिर हम सोचते हैं कि हम कुछ तो है, अपनी नाक को बंद किये हुए; बारिश होगी, यह तुम्हे डूबा देगी; और फिर आगे सोचना कि आप कुछ तो हैं। और यहोवा चरनी में पड़ा हुआ है, एक—एक गोबर के खाद के ढेर के ऊपर, एक छोटे से... किसी भी छोटे बच्चे की तरह वो रो रहा है। यह असाधारण सा लगेगा! यह एक चिन्ह है। परमेश्वर ने कहा, "मैं तुम्हें एक सनातन का चिन्ह दूंगा।" यही एक वास्तविक चिन्ह है। यहोवा, एक लड़के के नाई खेल रहा है। यहोवा! यहोवा, एक दुकान में काम करते हुए, एक बढ़ई की तरह लकड़ी को चीरने का कार्य करता है। हाल्लेलुय्या! मेरे प्रभु, ओह! यहोवा, मछुआरों के पैरो को धो रहा है। "मैं तुम्हे एक चिन्ह को दूंगा।"

132 "ओह, लेकिन हमारे पास ऐसा होने के लिए एक याजकगण होना है, आप जानते होंगे, पोशाक के साथ और पूरी तरह से फीता डाले हुए, कॉलर, और... " समझे? ओह!

133 "मैं तुम्हे एक सनातन का चिन्ह दूंगा।" यहोवा वहां आँगन में खडा था उसके मुँह पर थूक लगी हुई थी। यहोवा, आकाश और धरती के बीच, एक शरीर में, खिंचा हुआ नग्न। उसने क्रूस की लज्जा को तिरस्कृत किया। हमारे पास वहाँ उसकी मूर्ति है जिसके चारों ओर कुछ छोटा सा कपडे का टुकड़ा

लिपटा हुआ है; बेशक ऐसा तब उस मूर्तिकार ने किया है। उन्होंने उसे नंगा कर दिया था, उसे शर्मिंदा किया! ओह, वो पाखंडियों का झुंड, जब वह घडी आती है! यह मनुष्य का दिन है प्रभु का दिन आ रहा है। यहोवा! यहोवा, मरता हुआ, जी हाँ, कुछ भी नहीं हुआ। यहोवा, प्रार्थना कर रहा है, कुछ भी नहीं हुआ। हूम्म। ये सही है। यह असाधारण सा लगेगा! यह एक सनातन का चिन्ह है। यही वो चिन्ह है जो सारे मनुष्य जानते होंगे। तब वह मर गया, यहोवा मर गया। तब धरती हिलने लगती है। ओह, मेरे प्रभु!

134 तब वह कब्र से जी उठा और ऊँचे पर चढ़ गया। यहोवा, अपने लोगों के बीच, अपनी कलीसिया में रहने के लिए पवित्र आत्मा के रूप में वापस आ रहा है। महिमा हो! यहोवा, कलीसिया में से होते हुए चल रहा है, मन के विचारों को जाँच रहा है। यहोवा, बीमारों को चंगा कर रहा है। यहोवा, होठों के जरिये से बोल रहा है इतना तक कि मनुष्य का खुद पर कोई नियंत्रण नहीं है। यहोवा, अंग्रेजी में वापस आकर और इसका अनुवाद कर रहा है। क्या आप एक चिन्ह को चाहते हैं? आमीन! वो यहोवा उस एक वेश्या के लिए नीचे उत्तर कर आया, उसे उठा कर खड़ा करता है, जहां पर वह इतनी गिरी हुई—वह इतनी गिरी हुई थी कि कुत्ते तक उसे नहीं देखे, और उसे धोकर बर्फ के नाई सफेद करता है और उसे एक सोसन के फुल की नाई शुद्ध करता है। ओह, मेरे प्रभु! यहोवा, गली में पड़े हुए एक शराबी को लेता है और पूरी तरह से उसके मुंह के ऊपर गंदगी पर मक्खियाँ भिनभिनाती है, और उसे सुसमाचार को प्रचार करने को लगाता है... ? ... यीशु मसीह का लहू हमें साफ़ करता है!

135 जब वह धरती पर था, तो वह वहाँ सबसे गिरे हुए नगर में चला गया था, और वहाँ पर सबसे गिरे हुए लोग थे, और वे उसे सबसे गिरे हुए नाम को देते थे। ये सही बात है। उन्होंने उसके साथ सबसे बुरा व्यवहार किया, और उसे सबसे गंदे नाम से बुलाया, जिसे "बालजबुल" कहा जा सकता है, एक शैतान। सबसे गिरा हुआ नाम जो वे उसे दे सकते थे, मनुष्य ने उसे दिया।

136 लेकिन परमेश्वर ने उसे ऊपर उठाया, और वो उसे सबसे ऊँचे स्थान पर उसे एक सिंहासन को देता है इतना तक स्वर्ग की ओर देखने के लिए उसे नीचे होता था। आमीन! महिमा! और उसे हर एक नाम के ऊपर एक नाम को देता है जिसका स्वर्ग में और धरती पर उल्लेख किया गया है, और

स्वर्ग और धरती का सारा परिवार का नाम उसके बाद आता है। यही है जो मनुष्य ने उसके विषय में सोचा; यही है जो परमेश्वर ने उसके विषय में सोचा। हे परमेश्वर, मेरे विचार आपके विचार की तरह हो, पिता। जी हाँ, श्रीमान। वो बहुमूल्य नाम!

137 अब, "वह जो मुझ पर विश्वास करता है उसके पास अनन्त जीवन है।" अब, यदि वहां अनन्त जीवन का केवल एक ही रूप है, और आप इसे प्राप्त करते हैं और हम यीशु मसीह के जरिये से इसके लिए प्रयास कर रहे हैं, यही वो परमेश्वर का जीवन है। फिर जब लहू की कोशिका परमेश्वर के पुत्र पर फूट निकली थी, और वो छोटा सा यहोवा जिसे इस मनुष्य के अंदर भरा गया जिसे यीशु कहा गया (जब उस में परमेश्वर के देह की परिपूर्णता वास करती थी), और अब जब हम हमारे पापों की क्षमा के लिए *उस* लहू को स्वीकारते है, वह आत्मा जो किसी मनुष्य पर नहीं थी, बल्कि परमेश्वर पर... महिमा हो! बाइबिल ने कहा, "परमेश्वर का लहू।"

138 किसी ने कहा, "आपको याद है, वह... यहूदियों के बारे में कुछ मत कहो, क्योंकि वह एक यहूदी था।" वह यहूदी नहीं था। वह न तो यहूदी था और न ही अन्यजाति था, वह परमेश्वर था। ये सही है। वह एक सृष्टि किया हुआ लहू था। परमेश्वर ने इसे विशेष करके बनाया। यह उसका अपना था, और उस लहू के जरिये से हम इसे अपने क्षमा के रूप में स्वीकार करते हैं क्योंकि वह हमारे लिए मृत्यु को मरा। वो लहू की कोशिका फुट निकली, उस पवित्र आत्मा को आजाद करता है ताकि हम पर वापस आये, और अब आत्मा के जन्म के जरिये से हम परमेश्वर के पुत्र और कन्या हैं। तब वो जीवन जो परमेश्वर का है, जिसकी कोई शुरुआत नहीं या ना ही कभी भी उसका एक अंत होगा, यीशु मसीह में परमेश्वर के अनुग्रह के द्वारा वो जीवन मेरा और आपका है। वहां पर आप हो।

139 अब, "नरक," हम थोड़ी देर के लिए इस बात पर वापस जायेंगे। मैं आपको यह बताता हूं कि—कि वहां ऐसा नहीं हो सकता... मैं एक जलते हुए नरक में विश्वास करता हूं। जी हाँ, श्रीमान, बाइबिल ऐसा कहता है, आग की झील। अब, लेकिन यह ऐसा नहीं हो सकता है... यह एक अनंत नहीं हो सकता। यह हो सकता है... बाइबिल कभी नहीं कहती है कि यह अनन्त है, यह कहता है, "सनातन के लिए" नरक। अनंत शब्द को ना कहे, यह कहता है कि एक "सनातन के लिए" नरक। अब, यह शैतान और

उसके दूतों के लिए तैयार किया गया है; एक सनातन का नरक, ना ही एक अनंत। अब, बाद में... वो प्राण ऐसा करने पर वहां पर एक करोड़ वर्षो के लिए उत्पीड़ित किया जा सकता है, जितना मैं जानता हूं। मैं नहीं जानता कि परमेश्वर की दृष्टि में *सनातन* कितना हो सकता है। यह पाँच मिनट के लिए हो सकता है, यह हो सकता है दस लाख वर्ष हो, यह हो सकता है एक करोड़ वर्ष के लिए हो, लेकिन वहाँ एक समय आयेगा जब उस प्राण का अंत होना है।

140 यहाँ बाइबल ने कहा है, देखो। देखना:

... वह जो जय पाता है उसकी दूसरी मृत्यु से हानि ना होगी।

141 पहली मृत्यु हमारे प्रियजनों से अलग करती है। हम परमेश्वर की उपस्थिति में जाते है, कभी भी उसकी उपस्थिति से बाहर आने के लिए नहीं। समझे? अब, यदि वहाँ एक दूसरी मृत्यु है, तो ये मृत्यु प्राण के लिए होगी। और फिर वो जो संसार पर जय पाता है, या संसार की चीजों पर जय पाता है, उसके पास अनन्त जीवन है और दूसरी मृत्यु उसे नहीं छुयेगी। वहाँ पर आप है, अनन्त जीवन। लेकिन वो—वो पापी... बाइबिल ने कहा, "वो स्त्री जो भोगविलास में जीवित है जबकि वो मृत है।" यह सही है? "वो प्राण जो पाप करता है, वो निश्चय ही मर जायेगा।" *मरना* क्या है? पूरी तरह से "अलग होना," "अब नहीं रहा।" समझे? अब, ये कट गया है, ये सही है। यह कट चूका है, अब ये इसके लिए अब और नहीं रहा। इसे लेने के लिए यह कितना समय लेगा? यह इसकी अंदर आने की उसी प्रक्रिया से होकर गुजरेगा, और यह एक स्थान तक आएगा इतना तक कि वहाँ कभी भी इसका कुछ भी नहीं बचेगा। यह बस वापस वहीं चला जायेगा जहाँ से इसे कभी बनाया गया था।

142 हम कोशिका को ले सकते है, और कोशिका से एक कोशिका फुट निकलती है, दुसरे कोशिका के लिए, जब तक आप पहली कोशिका पर नहीं आ जाते है; उस कोशिका के अंदर फुट निकलती है, तब आपके पास लहू का रसायन विज्ञान होता है; आप लहू के भिन्न–भिन्न रसायन शास्त्रों में आते हैं, और फिर आप उस कोशिका में एक छोटे से हिस्से में आते हैं: यही जीवन है। वे इसे नहीं पा सकते है। वे इसके बारे में कुछ नहीं जानते है। अब, वो जीवन अंत में उस एक स्थान पर आ जाता है जब तक ये और अब नहीं रहता है; जो कुछ भी उस जीवन का रसायन

शास्त्र है, मैं इसे विश्वास नहीं करता इसका कोई भी रसायन शास्त्र है। ये आत्मिक होगा।

143 और फिर, उस में, अंत में यह पूरी तरह से अलग हो जाएगा अब और नहीं रहेगा। यही है जो बाइबल ने कहा, "जो प्राण पाप करता है, वह मर जाएगा।" "और वे जो यहाँ इन कलीसिया के युगों में जय को पाते है उनकी *दूसरी* मृत्यु से हानि नहीं होंगी।" पहले शरीर मरता है, उसके बाद अगला प्राण मरता है और यह अब और नहीं रहेगा। समझे? यह है... क्या आप विश्वास करते है कि यही है जो बाइबल ऐसा कहती है?

144 अब याद रखना, यदि नरक अनन्त है, तब तो बाइबिल गलत होती है जब कि इसने कहा कि "नरक को बनाया गया था।" और फिर यदि एक मनुष्य को नरक में अनंत काल के लिए जलाया जायेगा, तब ऐसा होने के लिए उसके पास जागरूकता के लिए अनंत जीवन होना है जिससे कि वो जले। क्या यह सही है? तो ठीक है, अनन्त जीवन के वहां कितने रूप है? एक। यह सही है। बस एक ही अनन्त जीवन है।

145 अब, यहाँ से दूर जाकर और मत कहना, "भाई ब्रंहम नरक में विश्वास नहीं करते।" भाई ब्रंहम नरक में विश्वास करते हैं। बाइबल सिखाती है कि वहाँ एक नरक है। बस उतना ही पक्का है जितना वहां पर एक—एक विश्राम के लिए स्थान है, वहां पर दंड का—का स्थान है। और परमेश्वर निश्चित रूप से एक प्राण को बनाएगा जो उसके विरुद्ध पाप करता है उसे दंडित किया जायेगा। और यीशु मसीह को अपने उद्धारकर्ता के रूप में अस्वीकार करने के लिए, आपको निश्चित रूप से इसके लिए दंडित किया जाएगा। लेकिन वहां एक समय होगा जब आप अब और नहीं रहेगे। लेकिन आपके लिए कितने लाखो वर्ष लेगा कि आप उसके लिए वापस जाये, मैं नहीं जानता। लेकिन किसी दिन...

146 आप एक समय के जीव है जब तक आप फिर से जन्म नहीं लेते हैं, तब आप एक अनन्त जीव होते है। और केवल एक ही तरीके से आप इसे पा सकते हैं आपके अंदर परमेश्वर का भाग होना है, अनन्त जीवन होने के लिए। क्या आप इसे देख सकते हैं? निश्चय ही।

वो जिसके पास कान है वो सुन ले आत्मा कलीसियाओ से क्या कहता है...

147 मैं उससे प्रेम करता हूं। क्या आप नहीं करते? मैं अनंत जीवन होने के लिए बहुत ही खुश हूं। यह मुझे अब और चिंतित नहीं करता है, क्योंकि अब हमारे पास अनन्त जीवन है। और मैं यह जानता हूं, और मैं भरोसा करता हूं कि यह हर किसी के पास होगा, हम सब के पास।

148 इरेनियस, जी हाँ, मेरे पास इरेनियस के बारे में कुछ लिखा हुआ था, "इस इतिहास को पढ़ने पर।" वो कारण इरेनियस को चुना गया था क्योंकि उसके पास पेंटीकोस्टल (मूल) कलीसिया के चिन्ह थे जो उसके पीछे–पीछे थे।

149 अब, यदि परमेश्वर... कितने लोग विश्वास करते है कि कलीसिया पेंटीकोस्ट में आरंभ हुई? तो ठीक है। कितने लोग विश्वास करते है कि परमेश्वर ने पेंटीकोस्ट पर कलीसिया का समर्थन किया? तो ठीक है, श्रीमान। फिर यदि वो परमेश्वर की पहली कलीसिया थी, और यही है जिसे उसने "कलीसिया" कहा, और वह अब दाखलता है, तो हम वो डालीयां हैं, यदि दाखलता कभी दूसरी डाली को लाती है, तो यह क्या होगी? पेंटीकोस्टल। जी हाँ! अब, हो सकता है नाम से नहीं। अभी हमारे पास पेंटीकोस्ट के *नाम* हो, लेकिन यह अब मेथोडिस्ट, बैपटिस्ट, प्रेस्बिटेरियन, पेंटीकोस्टल से अधिक और कुछ नहीं है। इस चीज का कोई मतलब नहीं है, देखो, यह तो सिर्फ एक नाम है। लेकिन जब तक आपको आपके हृदय में एक पेंटीकोस्टल का अनुभव नहीं मिलता है, आपके प्राण में एक पेंटीकोस्ट, आपको अनन्त जीवन देते हुए, तब परमेश्वर ने आपसे प्रतिज्ञा की है कि, "आपको दूसरी मृत्यु से कभी भी छुआ नहीं जायेगा," क्योंकि आपके पास अनन्त जीवन है और दूसरी मृत्यु से कभी भी छुआ *नहीं जा सकता* है। देखा? आपके पास... आप...

150 "परमेश्वर की पवित्र आत्मा को शोकित ना करो।" अब, इसे शोकित मत करो (उन चीजो को करते है जो गलत हैं)। यदि आप करते हैं, तो आपको इसके लिए भुगतान करना होगा; क्योंकि बाइबल ने कहा है, "परमेश्वर की पवित्र आत्मा को शोकित न करो जिससे तुम्हे तुम्हारे छुटकारे के दिन तक मोहरबंद किया गया है।" क्या यह सही है? "पवित्र आत्मा को शोकित ना करो।"

151 ओह! ये एक अद्भुत दिन होने जा रहा है, किसी सुबह को, इनमें से किसी समय पर। आपको यह दिखाने के लिए कि पुनरुत्थान विश्वव्यापी

होने जा रहा है, "दो जन एक खेत में होंगे, और मैं एक को ले लूंगा; और दो जन बिस्तर में होंगे, और मैं एक को ले लूंगा।" देखो, यह एक स्थान पर एक रात है, और धरती के दूसरे छोर पर दिन का उजियाला है; एक विश्वव्यापी पुनरुत्थान होगा, वो रेपचर। परमेश्वर की तुरही फूंकी जाएगी, और इसमें से हर एक, इस छोटी सी कलीसिया के, *यहाँ, यहाँ, यहाँ,* और यहाँ तक कि ये छोटा सा झुण्ड जो *वहाँ* से होकर गया है, और *यहाँ, यहाँ, यहाँ* बाहर आता है।

152 जब वह कुंवारी, वह कुंवारी जब उसने सातवीं घड़ी में देखा कि... अब, याद रखना, वहां सात कुंवारीयां थीं। क्या ये सही है? या, मेरा मतलब है, पाँच कुंवारियां बाहर निकली... दस कुंवारियां प्रभु से मिलने के लिए बाहर निकली, पाँच समझदार थी और पाँच मूर्ख थी। क्या यह सही है? और अब, घड़ियों में, हालांकि, वहां सात घड़ियां थीं। और सातवीं घड़ी के अंत में (कुछ *इस* घड़ी से सो गयी, *यह* एक, *यह* एक, *यह* एक, और *वह*... ,), सातवीं घड़ी, वहाँ एक आवाज आने लगी, "देखो, दूल्हा आता है, उससे मिलने के लिए चले।" और वे उठ गयी और उनके दीये की बाती को ठीक किया। और ये सभी लोग *यहां* से होकर उठे। ओह, यह एक अद्भुत समय नहीं होगा!

ओह, हम हमेशा ही एक छोटा सा गीत गाते थे:

यह आपके लिए एक अद्भुत समय है,
मेरे लिए क्या ही अद्भुत समय है;
यदि हम सभी हमारे राजा यीशु से मिलने के लिए तैयार हैं,
तो यह क्या ही अद्भुत समय होगा।

यहाँ पर, देखते हैं कि क्या हम गा सकते हैं:

यह आपके लिए एक अद्भुत समय है,
मेरे लिए क्या ही अद्भुत समय है;
यदि हम सभी हमारे राजा यीशु से मिलने के लिए तैयार हैं,
तो यह क्या ही अद्भुत समय होगा। (क्या यह अद्भुत नहीं होगा?)

ओह, यह क्या वहाँ अद्भुत नहीं होगा,
सहन करने के लिए कोई बोझ नहीं है?
आनंद से गाते हुए हृदय की घंटीयां बजने के साथ,
ओह, यह क्या वहाँ अद्भुत नहीं होगा?

153 आप में से कितने लोग जानते हैं कि आप घर पहुंचेंगे? कितने जानते है कि आप उस दरवाजे से बाहर जाएंगे? आप नहीं जानते। कितने लोग जानते है यदि आप बाहर जाते है फिर से अंदर आएंगे? आप बता नहीं सकते। इसलिए इस रात को चुकने मत दो; आप इस रात को परमेश्वर को मत चूकना, क्योंकि यह हो सकता है कि यह अंतिम रात हो जो कि आपके पास एक समय या एक मौका होगा। आप कौन हो, जो कुछ भी हो? आप कहां से आये? आप कहाँ जा रहे हो? दुनिया की एकमात्र पुस्तक आपको बता सकती है कि यह क्या है, क्या यह यहाँ पर धन्य पुरानी बाइबिल है। और यही वह बाइबिल है जिस पर हम विश्वास करते हैं, यही वह परमेश्वर है जिस पर हम विश्वास करते हैं।

154 और यदि आप उस दुल्हन के अंदर नहीं हैं, इस जरा सी संख्या के छोटे से झुण्ड में, वहां से होते हुए *यहाँ* तक आज, संस्था और संप्रदायों और इत्यादि के द्वारा बाहर निचोडे गए, और इत्यादि, यदि—यदि—यदि आप उस छोटे से झुण्ड में नहीं है... अब, आपको इस भवन के साथ नहीं जुड़ना है, आपको किसी के भी साथ नहीं जुड़ना है, आपको बस उस राज्य के अंदर जन्म लेना होगा। अब, यदि आप मेथोडिस्ट, बैपटिस्ट, प्रेस्बिटेरियन में आपकी संगती को चाहते हैं, जहाँ कही भी आप इसे चाहते हैं, यह आप पर निर्भर करता है। देखिये, आप अपनी संगती को किसी के साथ भी रखना चाहते हैं आप रखे। लेकिन मैं आपको एक बात बताऊंगा: जब आप फिर से जन्म लेते हैं, तो आप जानते हैं, "एक समान पंख के पक्षी... " ओह!

155 किसी ने मुझसे एक बार पूछा, "भाई ब्रंहम, आपने उन लोगों को बताया, 'मेथोडिस्ट कलीसिया में वापस जाओ।'"

मैंने कहा, "यकीनन। उन्हें उन लोगो को बाहर फेंकने दो, और उनके पास जाने के कोई स्थान नहीं है।" तो फिर हम देखेंगे...

यह ठीक बात है, वापस जाते है, यह ज्यादा समय तक नहीं चलेगा, आप देखना। यह ज्यादा समय तक नहीं चलेगा, वे ठीक फिर से वापस आ जाएंगे।

156 आप जानते हैं, एक समय... नूह के... जहाज में, वो सुरक्षा का स्थान था, नूह, वहाँ एक बड़ी बाढ़ आयी थी। और तो नूह ने कौवे को जहाज से बाहर कर दिया, और वह बस कांव–कांव करके बाहर निकल गया और इधर–उधर देखता रहा। क्योंकि, वह संतुष्ट था, क्योंकि वह आरंभ से ही एक दरिंदा था। वह एक मरे हुए लोथ पर से उड़ सकता था, और इस एक खच्चर से पेट भर के खाता, और इस एक—इस एक पुराने भेड पर जाता और उसे खाकर अपने पेट को भरता, और कहीं तो और जाता, जहां कहीं भी इस तरह का वो पुराना मरा हुआ लोथ यहाँ–वहां पड़ा रहता।

157 सो कौवा वहीं पर बैठ जायेगा और यहाँ–वहाँ कांव–कांव करेगा, "लड़के, मैं पूरी तरह से अपने आप में एक जुबली को मान रहा हूं!" बस कांव–कांव करते दूर चला जाता।

158 लेकिन जब उसने छोटे से पिंडुक को बाहर छोड़ा, तो वह एक अलग स्वभाव का था। वो बदबू, वह "इसे बर्दाश्त नहीं कर सका। हूंम्म!" क्यों? एक पिंडुक के पास कोई पित्त नहीं होता है; वह एकमात्र ऐसा पक्षी है जिसके पास पित्त नहीं होता है। वह इसे पचा नहीं सकता, इसलिए केवल एक चीज जो वह कर सकता था वह सीधे जहाज पर वापस जाकर या और दरवाजे पर पीटता।

159 बस जहाँ कहीं भी आप जाना चाहते हैं जाये। केवल एक चीज जो मैं आपसे करने के लिए कह रहा हूं केवल राज्य के अंदर आ जाये, और मैं जानता हूं कि आप कहां जाएंगे। आप इसे अब और बर्दाश्त नहीं कर पाएंगे, भाई, आप कहेंगे, "मैंने अलगाव करने वाली रेखा को पार किया है, मैंने अब इस संसार को पीछे छोड़ दिया है।" जी हाँ, श्रीमान। यह तो पक्का है।

ओह, वे ऊपरी कोठरी में इकट्ठा हुए थे,
सभी उसके नाम में प्रार्थना कर रहे थे,

उन्हें पवित्र आत्मा से बपतिस्मा दिया गया,
और सेवा के लिए सामर्थ आ गई;
अब उस दिन पर उसने उनके लिए जो किया,
वह आपके लिए भी वही करेगा,
मैं बहुत ही खुश हूं कि मैं कह सकता हूं कि मैं उनमें से
एक हूं। (क्या आप नहीं हैं?)

उनमें से एक, मैं उनमें से एक हूं,
मैं बहुत ही खुश हूं कि मैं कह सकता हूं कि उनमें से
एक हूं, हाल्लेलुय्या;
उनमें से एक, मैं उनमें से एक हूं,
मैं बहुत ही खुश हूं कि मैं कह सकता हूं कि मैं उनमें से
एक हूं।

उसके लिए आज की रात कितने लोग खुश है? ओह, मेरे प्रभु!

आओ, मेरे भाई, इस आशीष को पाओ
जो आपके हृदय को पाप से साफ़ कर देगा,
जो आनन्द की घंटियों को बजाना आरंभ करेगी
और आपके प्राण को अग्नि की ज्वाला पर बनाए रखे;
ओह, यह अब मेरे हृदय के भीतर जल रहा है,
ओह, उसके नाम की महिमा हो,
मैं बहुत ही खुश हूं कि मैं कह सकता हूं... उनमें से एक
हूं।

मैं उनमें से एक हूं, मैं उनमें से एक हूं,
मैं बहुत ही खुश हूं कि मैं कह सकता हूं... उनमें से एक
हूं, हाल्लेलुय्या;
उनमें से एक, मैं उनमें से एक हूं,
मैं बहुत ही खुश हूं कि मैं कह सकता हूं कि मैं उनमें से
एक हूं।

160 अब जब कि हम इस अगले पद को गाते हैं, तो मैं चाहता हूं कि आप हाथो को मिलाएं, जैसे आप हर रात को करते हैं, सारे मेथोडिस्ट और बैपटिस्ट, और प्रेस्बिटेरियन से। एक दुसरे के साथ हाथो को मिलाये, और यहाँ तक मित्रतापूर्ण एक दूसरे के लिए बस चविंगगम चबाना यदि आप कर

सकते हैं तो। अब बस वास्तविक बने, सच्ची मित्रतापूर्ण, मिलनसार अब जबकि हम इसे गाते है:

मैं उनमें से एक हूं, उनमें से एक हूं,
मैं बहुत ही खुश हूं कि मैं कह सकता हूं कि मैं उनमें से एक हूं;
उनमें से एक, उनमें से एक,
मैं बहुत ही खुश हूं कि मैं कह सकता हूं कि मैं उनमें से एक हूं।

भले ही ये लोग पढ़े–लिखे नहीं होंगे,
या सांसारिक यश की डींग मारे,
उन्होंने उनके सम्पूर्ण पेंटीकोस्ट को ग्रहण किया है,
यीशु के नाम में बपतिस्मा लिया;
और वे अब बता रहे हैं, दूर–दूर तक दोनों,
उसकी सामर्थ अभी भी वही है,
मैं बहुत ही खुश हूं कि मैं कह सकता हूं...

अब आइये वास्तव में इसे गाये:

ओह, उनमें से एक, उनमें से एक,
मैं बहुत ही खुश हूं कि मैं कह सकता हूं... उनमें से एक, हाल्लेलुय्या;
उनमें से एक, उनमें से एक,
मैं बहुत ही खुश हूं कि मैं कह सकता हूं कि मैं उनमें से एक हूं।

161 क्या आप स्मुरना के लोगो के साथ उनके लिए शहीद होने की इच्छा को रखते हैं? यदि ये बात उस स्थान पर आती है कि आपको मौत का सामना करना पडे या इससे पीछे हटना पडे, तो क्या आप इसका सामना करेंगे? जी हाँ, श्रीमान। हे परमेश्वर, यह एक खुशी की बात होगी। जी हाँ, श्रीमान। इसी तरीके से मैं जाना चाहता हूं, ठीक पुलपीट में। यही सही है। मैंने सोचा कि मैंने इसे समझ लिया और ज्यादा समय नहीं हुआ वे इसे जर्मनी में इसे पकड़ने जा रहे थे। ओह, वे मुझे एक रात की दूरबीन के जरिये से गोली मारने जा रहे थे, और जर्मन सैनिक मेरे पास दौड़ कर आये थे और *इस* तरह से पीछे से मुझे पकड़ लिया। मैंने सोचा, "क्या ही ये अद्भुत

बात होगी कि ठीक यहाँ पर मेरे प्रभु के लिए रणभूमि पर मरना।" ओह, मेरे प्रभु! क्या—क्या ही अद्भुत बात है।

162 ठीक है, मैं आपके लिए एक छोटा सा गीत गाऊंगा। क्या मैं गा सकता हूं? क्या आपके पास—क्या आपके पास समय है, इस एक छोटे से गीत के लिए? तो ठीक है। मैं इसे नहीं गा सकता, मैं इसे बोलूँगा। ओह, मैं हमेशा से गाना चाहता हूं। और इन दिनों में से किसी एक दिन जब आप वहां पर ऊपर अपने सुंदर से बडे घर पर वहाँ स्वर्ग में होंगे, वहां बहुत दूर वहां नीचे जंगल के अंत में, जहां रसेल क्रीच और मैं इस शिकार पर होंगे, आप जानते हैं। बहुत दूर जंगल के अंत पर वहाँ पर एक छोटा सा झोपड़ा है जिसके बारे में भाई नेविल गाते हैं, *मुझे उस कोने का झोपड़ा बना,* (मैंने सोचा कि वह मेरे स्थान के बारे में बात कर रहे थे)... *उस महिमादेश में।* इन सुबह में से एक सुबह जब आप अपने बड़े द्वार के मंडल पर बाहर चलकर जाते है, और इस तरह से चारों ओर देखते है, वहां दूर नीचे कोने में आप किसी को गाते हुए सुनते है:

अद्भुत अनुग्रह, कितना मधुर दिखाई देता है,
कि मेरे जैसे एक घृणित को बचा लिया!

163 आप कहते हैं, "तो, परमेश्वर धन्य है, बूढ़े भाई ब्रंहम ने इसे कर दिखाया। वहाँ है वो, मैंने उसे अभी वहाँ पर खडे होकर गाते हुए सुनता हूं, *अद्भुत अनुग्रह,* कितना मधुर दिखाई देता है।"

164 यह अद्भुत अनुग्रह होगा जिसने मुझे वहां पर लेकर आया। ये सही बात है।

लेकिन ये लहू के साथ बह रहा है, जी हाँ, (इसीलिए
मैं इसे प्रचार कर रहा हूं) ये लहू के साथ बह रहा है,
यह पवित्र आत्मा का सुसमाचार लहू के साथ टपक
रहा है,
चेलो का लहू जो सत्य के लिए मरे,
यह पवित्र आत्मा का सुसमाचार लहू के साथ टपकता
रहता है।

इस पवित्र आत्मा की योजना के लिए मरने वाला पहला
व्यक्ति,
यूहन्ना वो बप्तिस्मा देने वाला था, लेकिन वह एक मनुष्य
की तरह मरा;
उसके बाद प्रभु यीशु आया, उन्होंने उसे क्रूस पर
चढ़ाया,
उसने सिखाया कि आत्मा मनुष्यो को पाप से बचायेगा।

वहां पतरस और पौलुस, और यूहन्ना वो दिव्य था,
उन्होंने अपने जीवन को दे दिया जिससे कि यह
सुसमाचार चमक सके;
उन्होंने अपने लहू को मिला दिया, पुराने समय के
नबियों की तरह,
जिससे कि परमेश्वर का सच्चा वचन सच्चाई से बताया
जा सके।

वहां वेदी के नीचे प्राण हैं, (ये शहीद) चिल्ला रहे हैं,
"कब तक? "
क्योंकि यहोवा उन लोगों को दंडित करता है जिन्होंने
गलत किया है; (सुनना! जल्दी से!)
लेकिन वहाँ और ज्यादा होने जा रहा है जो अपने जीवन
के लहू को देंगे
इस पवित्र आत्मा के सुसमाचार के लिए और गहरे लाल
रंग की बाढ़।

यह लहू के साथ टपक रहा है, जी हां, यह लहू के साथ
टपक रहा है,
यह पवित्र आत्मा का सुसमाचार लहू के साथ टपक
रहा है,
चेलो का लहू, जो सच्चाई के लिए मरे,
यह पवित्र आत्मा का सुसमाचार लहू के साथ टपकता
रहता है।

165 ओह, वहाँ होने जा रहा है...

[एक बहन अन्य जुबान में बोलती है, एक भाई अनुवाद को देता है। एक भाई अन्य जुबान में बोलता है, एक बहन अन्य भाषा में बोलती है। टेप पर खाली स्थान। एक भाई अनुवाद को देता है—सम्पा।] महिमा। आमीन। आमीन। हूंम्म। हूंम्म। महिमा। आमीन। जी हाँ।

166 आमीन। "वो जिसके पास कान है, वो सुने कि आत्मा कलीसिया से क्या करती है।"

मैं उससे प्रेम करता हूं...

अब आराधना करें, देखो कि वह क्या करेगा। यदि आपने इससे पहले उससे कभी भी प्रेम नहीं किया है, क्या आप उससे अभी प्रेम करना चाहेंगे? क्या आप खड़े होंकर और उसे पहचानेंगे, उसे अपने उद्धारकर्ता के रूप में लेंगे?

... मुझसे, (परमेश्वर आपको आशीष दे, भाई।)
और खरी–...

कोई तो और खड़ा होकर, कहेगा, "मैं उसे ठीक अभी चाहता हूं, मैं उससे प्रेम करना चाहता हूं"?

... –दार
कलवरी पर...

परमेश्वर आपको आशीष दे, बहन। परमेश्वर आपको आशीष दे वहां पीछे, नौजवान महिला।

मैं उससे प्रेम करता हूं...

वो जिसके पास कान है, वो सुन ले कि आत्मा कलीसिया से क्या कहता है।

... उसने पहले मुझसे प्रेम किया
और मेरे उद्धार को खरीद लिया
कलवरी के पेड़ पर।

167 हमारे स्वर्गीय पिता, जैसे आप देख रहे है कि ये तीन जन उनके पैरों पर खड़े हुए है, हे परमेश्वर, मैं आपसे करुणाशील होने के लिए प्रार्थना करता हूं, हे एक अनंत, और उनके हर पाप के लिए क्षमा को देना, और उद्धार को, उनके जीवन में पवित्र आत्मा को, जिससे कि उन्हें दूसरी मृत्यु के द्वारा छुआ नहीं जाये। उन्हें एहसास हो, हे प्रभु, आज रात को, जैसे वे

वहां खड़े हुए है, कि—कि वहाँ कुछ तो उनके बगल में है। पवित्र आत्मा चेतावनी को दे चूका है। लोगों के बीच परमेश्वर की आत्मा को नीचे उतरते हुए देखने के लिए, बस वचनो के अनुसार काम को होते हुए इसे देखे, केवल तीन संदेश और बंद करते हुए। हे परमेश्वर, प्रत्येक व्यक्ति के लिए एक संदेश।

168 अब, पिता, हम आपसे प्रार्थना करते हैं कि करुणाशील होना। वो बहुमूल्य आत्मा हमारे बीच में रहे। हम इसके प्रति आदरपूर्ण रहे, परमेश्वर; इसे प्रदान करे। इन प्राणों को आपकी हिरासत में लेना, पिता, वे आज रात उस संदेश के फल हैं, और पवित्र आत्मा से उस संदेश के फल जो हमारे बीच बोला गया था। और हम मांगते हैं, पिता परमेश्वर, उनके जीवन के सारे दिनों में उनके साथ रहे। और होने पाए "उस दुनिया में जो बिना अंत के है" होने पाए हम उन्हें वहाँ पर मिले, और मसीह के लहू और अनुग्रह के द्वारा बचाए गये। हम उन्हें अब आपको देते हैं, पिता, उन्हें आपकी पवित्र आत्मा से भरें। क्योंकि हम इसे यीशु के नाम में मांगते है। आमीन।

169 परमेश्वर आपको आशीष दे, मेरे भाईयों। कदापि जो उन लोगों के पास है जो खड़े हुए थे, मसीही लोग, उनके हाथो को मिलाये, जब वे बैठते है, उन्हें दे... उन्हें परमेश्वर की शीध्रता की शुभकामना दे।

170 देखो किस तरह से पवित्र आत्मा आज्ञाकारी है, किस तरह से इसे ठीक अंत पर करता है? समझे? बाइबिल कहा, "वे... उन्हें अन्य भाषा में बातें करनीं हों, तो दो–दो करके बोले या नहीं... बहुत हो तो तीन–तीन जन बारी– बारी बोलें," आप देखे। संदेश नहीं आया, जिस समय पर मैं बोल रहा था, ये सब पूरा होने के बाद हुआ। यही है जिस तरह से यह होना चाहिये, हर कोई वास्तव में आदरपूर्ण होकर और सुने कि आत्मा क्या कहता हैं। उसके बाद क्या हुआ? पापियों ने उठकर और पश्चाताप को किया। ओह, सोचे। पवित्र आत्मा खुद ही है, ऐसा नहीं... यहां तक कि वचन के जरिये से, आकर और प्रकट बनाया।

171 मैं इनमें से कुछ लोगों को जानता हूं, जो अन्य जुबान में बोलते हैं, मैं उन तीनों को जानता हूं जिन्होंने बोला; और मैं—मैं उनको जानता हूं जिन लोगों ने अनुवादो को दिया; मैं जानता हूं कि परमेश्वर के सामने उनका जीवन पापरहित है। यहाँ भाई नेविल, हमारे पास्टर, एक मेथोडिस्ट सेवक; ये एक मेथोडिस्ट सेवक है, जो यहां बैठे हुये है, पवित्र आत्मा को पाए हुए।

जूनी, यहाँ पर, भाई जैक्सन, जो एक और मेथोडिस्ट प्रचारक है, पवित्र आत्मा को पाए हुए। यह सही है, अन्य भाषा बोलने और अनुवाद करने के एक दान के साथ।

172 और आप ध्यान दे कि हमारे पास कैसी कलीसिया है, हर एक जन आदरपूर्वक; परमेश्वर बोल रहा हैं। आप देखें कि वह बिल्कुल ठीक बाइबल के अनुसार किस तरह से बोलता है; एक; संदेश तब सन्देश के ऊपर नहीं आता है, वह इसे फिर से बोलता है, लेकिन वह उसके ऊपर तीन बार नहीं बोलता है; वहां वचनों के अनुसार देखे। देखो, वह उस संदेश को देगा; वह इसे कभी भी उलझाता नहीं है, "क्योंकि भविष्यव्यक्ता की आत्मा भविष्यव्यक्ता के अधीन होती है।" हर एक जन सुनता है और शांतिपूर्वक...

173 अब इसी तरह से कलीसिया में व्यवस्था में होना चाहिए। अब आप लोगों के लिए जो यहाँ पर बाहर के लोग हो सकते है, जो आपने मुझे इसे बोलते हुए सुना है, इसे इसी तरीके से होना चाहिए। देखो, संदेश पहले आगे जाता है। परिणाम को देखा? यह ठीक उसके *बाद* होता है। कुछ तो बात जगह लेती है, बिल्कुल वैसा ही जैसा कि ह्रदय का जांचना या कोई और आत्मा। क्या वो अद्भुत नहीं है? ओह, मैं यह जानकर बहुत ही खुश हूं कि यह वही बात है जो कि संत पौलुस के द्वारा ठहरायी गयी थी, ठीक *यहाँ* पर, जो ठीक *यहाँ* पर नहीं मरी है। अब भी वही बात है। ओह, मैं बहुत खुश हूं कि मैं कह सकता हूं कि उनमें से एक हूं। क्या आप नहीं हो? तो ठीक है।

174 अब, कल रात को सात बजे, हम लौदिकिया के युग को ले रहे हैं, और यही वो *विवाह* का का युग है। मैं चाहता हूं कि यदि आपसे संभव हो सकता हैं तो आये। मुझे आज रात बस थोड़ी देर हो गई, क्योंकि शायद पवित्र आत्मा बोल रहा था और इत्यादि। लेकिन यह अभी तक जल्दी है, यह सिर्फ लगभग नौ बजकर बीस मिनट ही हुए है। और ज्यादातर मैं यहाँ दस या ग्यारह बजे तक रहता हूं, इसलिए यहाँ पर वास्तव में जल्दी हुआ है। तो क्या आप प्रभु के उन—उन—उन संदेशों का आनंद ले रहे है? क्या आप सच में ले रहे है? यह आपके प्राण को खिला रहा है।

175 परमेश्वर आपको आशीष दे, मेरे बच्चो। आप जानते है, मैं आपको पूरे ह्रदय से प्रेम करता हूं। और कभी–कभी जब आत्मा मुझ पर पकड बनाये हुए होता है, तो दोनों ओर काटता है... इसी तरीके से वचन काटता है,

यह दोधारी तलवार की तरह तेज है। यह आते हुए, जाते हुए, अंदर से, बाहर से हर तरह से काटता है। लेकिन यही है जो हमें खतना करता है। खतना केवल अतिरिक्त मांस को काटता है, वो चीजें जो हमारे पास नहीं होनी चाहिए।

176 अब, मैं चाहता हूं कि आप ध्यान दे। क्या आपने आत्मा को आज रात अनुवाद करने पर सुना? "उस मूर्खता की बातों को बंद करो!" वो खतना है। सच्चे बनो! हम सब रेखा से बाहर आ गए है, लेकिन परमेश्वर जानता है कि हममे से उस गांठ को कैसे हटाये। क्या वह नहीं करता है? वह निश्चित रूप से करता है। मैं इसके लिए आभारी हूं। क्या आप नहीं हो?

177 क्या छोटा पियानोवादक आप यहाँ पर हैं? मैं नहीं देखता हूं... क्या टेडी है... ? मैं उसे यहाँ कहीं नहीं देखता। क्या—क्या यह है... ? तो ठीक है, बहन, यदि आप चाहे तो। क्या यह आपकी बेटी है, भाई डॉल्टन? बहु है। तो ठीक है। बहुत ही अच्छा है छोटी महिला, बहुत ही खुशी है कि आप एक मसीही हैं। तो ठीक है, जो हमारा अच्छा, पुराना समाप्ति का गीत? आओ हम इस एक गीत को गाने कोशिश करे, बस अब इससे पहले हम करे। बस एक मिनट, बहन, इससे पहले कि हम गाएं *यीशु का नाम आपके साथ ले लें।*

178 कितने लोग गीत को जानते है *परिवार की प्रार्थना को मत भूलना?* कितने लोग आपके परिवार में प्रार्थना करते है, आपका परिवार प्रार्थना करता है? ओह, यह अच्छा है। आइये इसे एक बार कोशिश करे, बिल्कुल बस पुराने समय की तरह अब:

परिवार की प्रार्थना को मत भूलना,
यीशु आपसे वहाँ मिलना चाहता है;
वह आपकी हर देखभाल को करेगा,
ओह, परिवार की प्रार्थना को मत भूलना।

क्या आप इसे पसंद करते है? आइये इसे फिर से कोशिश करते हैं:

परिवार की प्रार्थना को मत भूलना,
यीशु आपसे वहां मिलना चाहता हैं; (आपके पास अब एक तारीख है।)
वह आपकी हर देखभाल करेगा,
ओह, आपके परिवार की प्रार्थना को मत भूलना।

179 [एक बहन कहती है, "भाई ब्रंहम, क्या मैं कुछ बोल सकती हूं? "—सम्पा।] ज़रूर बहन बोल सकती हैं। [वो बहन बोलने लगती है। टेप पर खाली जगह।] बहन नैश, यह बहुत ही अच्छा है। ओह, यदि आप बस:

यदि हम भरोसा करे और कभी भी संदेह न करे, वह आपको निश्चित रूप से बाहर निकालेगा;
बस अपना बोझ प्रभु के पास ले जाये फिर उन्हें वहीं छोड़ दो।

उन्हें वहीं छोड़ दो, उन्हें वहीं छोड़ दो,
अपना बोझ प्रभु के पास ले जाये फिर उन्हें वहीं छोड़ दो;
यदि हम पर भरोसा करे और कभी भी संदेह नहीं करे, वह आपको निश्चित रूप से बाहर निकलेगा;
अपना बोझ प्रभु के पास ले जाये और उन्हें वहीं छोड़ दो।

180 क्या आप उन पुराने स्तुती के गीतों को पसंद नहीं करते हैं? ओह, मैं बस... मेरा विश्वास है कि उन पुरुषों ने कलम को उठाया और इसे समझने के लिए पवित्र आत्मा से प्रेरित थे।

181 उस अंधी फैनी क्रोसबय की तरह जब उस दिन के उन सांसारिक लोगो ने कोशिश की कि उससे उन सांसारिक गीतो को लिखवाये, कहा, "इसके लिए, तुम एक धनी स्त्री बन जाओगी।"

उसने कहा, "मैंने अपना जीवन मसीह को समर्पित कर दिया है, और अपनी सारी विशेष योग्यता को।" वह अंधी थी, आप जानते होंगे। कहा, "मैं—मैं अपने जीवन के लिए एहसानमंद हूं और पूरी तरह मसीह के लिए।" उसने कहा...

182 और फिर वे उस पर एक प्रकार से चिढ गए क्योंकि उसने ऐसे अवसर को ठुकरा दिया था। उसने श्रीमान प्रेस्ली और उन लोगो की तरह अपने जन्म सिद्ध अधिकार को नहीं बेचा, लेकिन उसने—उसने अपनी सत्यनिष्ठा को बनाए रखा। तो वह—वह... उन्होंने—उन्होंने उसे छोड़ दिया, कहा, "फिर जब तुम स्वर्ग पर जाओ, यदि वहाँ इस तरह की एक जगह है तो," कहा, "यदि तुम वैसी ही रहती हो जैसी तुम यहाँ पर हो, तुम अंधी रहती

हो।" कहा, "क्या होगा यदि तुम अंधी रहती *हो*," कहा, "तुम उसे कैसे पहचानोगी? "

उसने कहा, "मैं उसे जान जाऊंगी। मैं उसे जान जाऊंगी।"

कहा, "क्या होगा यदि तुम अंधी रहती हो? क्या होगा यदि तुम अंधी रहती *हो*? "

वह बोली, "मैं कीलो के निशानो से महसूस कर लुंगी।" फिर वह पीछे की ओर घूम गयी, वह वापस चलकर जाने लगी और उसने कहा:

मैं उसे जान जाऊंगी, मैं उसे जान जाऊंगी,
और उसके पास ही छुड़ायी गयी मैं खड़े रहूंगी;
मैं उसे जान जाऊंगी, मैं उसे जान जाऊंगी,
उसके हाथ में कीलो के निशानो के द्वारा।

183 हे मेरे यीशु, उन पाँच बहुमूल्य घावों के साथ, उस ओर मेरे लिए लहू बह रहा है, मैं भला उस एक बहुमूल्य को कभी कैसे इंकार कर सकता हूं? मैं मर जाऊं, मुझे जाना... मैं किसी भी तरह से जाऊं, लेकिन मैं उस बहुमूल्य लहूलुहान का कभी भी इंकार ना करूँ वो एक जो उस ओर मेरे लिए मरा। जी हाँ।

184 और जैसा कि आप आज रात छोड़ कर जाते है, आप चाहते है: *यीशु के नाम को तुम अपने साथ लो।* तो ठीक है, बहन। क्या अब हम खड़े होंगे, सब एक साथ मिलकर।

... यीशु का नाम अपने साथ,
दुःख और शोक की संतान;
यह आनंद और दिलासा तुम्हे देता है
इसे ले जहाँ कहीं तुम जाते हो।

बहुमूल्य नाम (बहुमूल्य नाम), ओह कितना मधुर!
(ओह कितना मधुर)
धरती की आशा और स्वर्ग का आनंद;
बहुमूल्य नाम (बहुमूल्य नाम), ओह कितना मधुर!
धरती की आशा और स्वर्ग का आनंद।

अब जैसे हम अपने सिर को झुकाते हैं, और धीरे से गाये:

यीशु के नाम पर झुकना,
उसके पैरो पर गिरकर दंडवत करना,
स्वर्ग में राजाओं का राजा हम उसे ताज पहनाएंगे,
जब हमारी यात्रा पूरी होगी।

बहुमूल्य नाम, ओह कितना मधुर!
धरती की आशा और स्वर्ग का आनंद;
बहुमूल्य नाम, ओह कितना मधुर! (कितना मधुर!)
धरती की आशा और स्वर्ग का आनन्द।

स्मुरना कलीसिया युग HIN60–1206

(The Smyrnaean Church Age)

यीशु मसीह के प्रकाशन की श्रृंखला

यह सन्देश हमारे भाई विलियम मेरियन ब्रंहम के द्वारा मूल रूप से इंग्लिश में जो मंगलवार शाम, 6 दिसम्बर, 1960 को ब्रन्हम टेबरनेकल, जेफ़रसनविले, इंडियाना, यु.एस.ए में, में प्रचारित किया गया। जिसे चुम्बकीय टेप रिकॉर्डिंग से लिया गया है और इंग्लिश में विस्तृत छापा गया है। इस हिंदी अनुवाद को वोइस ऑफ गॉड रिकॉर्डिंग के द्वारा छापा गया और बांटा गया है।

HINDI

©2021 VGR, ALL RIGHTS RESERVED

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org

कोपी राईट सूचना

सारे अधिकार सुरक्षित है। यह पुस्तक व्यक्तिगत प्रयोग या मुफ्त में देने और एक औजार के समान यीशु मसीह का सुसमाचार फैलाने के लिये
घर के प्रिंटर पर छाप सकते हैं।

इस पुस्तक को बेचना, अधिक मात्रा में फिर से छापना, वेब साईट पर डालना, दुबारा छापने के लिये सुरक्षित रखना, दूसरी भाषाओं में अनुवाद करना या धन प्राप्ति के लिये निवेदन करना निषेध है। जब तक की वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग कि लिखित अनुमति प्राप्त ना कर ली जाये।

अधिक जानकारी या दूसरी उपलब्ध सामग्री के लिये कृपया संपर्क करें:

वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग्स

पोस्ट बोक्स 950 जैफरसन विले, इन्डियाना 47131 यू. एस. ए.

www.branham.org